• जयपुर, शनिवार 28 दिसंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 130 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @ 3 जयपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों पर पीला पंजा चलाकर दिया विधिसम्मत...
पेज @ 4 राज्य सरकार ने डीप फेक से सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की...
पेज @ 8 अहिल्याबाई होलकर के योगदान को युगो तक याद किया जाएगा-विभाग प्रचारक...

मौसम ने ली करवट : दिल्ली-एनसीआर समेत पंजाब और हरियाणा में बारिश, कई जगहों पर पड़े ओले, तापमान में गिरावट

नई दिल्ली/एजेंसी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई। नोएडा के कई जगहों पर तेज बारिश के साथ ओले भी पड़े। इसके अलावा एनसीआर के अन्य हिस्सों में भी बूंदाबांदी हुई है। बारिश और ओले पडने से दिल्ली-एनसीआर में सर्दी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात ढाई बजे से सुबह साढ़े पांच बजे के बीच दिल्ली में 1.8 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई और इसके बाद से सुबह साढ़े आठ बजे तक 7.3 मिमी बारिश दर्ज की गई।

पालम मौसम केंद्र में 11.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि लोधी रोड में 6.8 मिमी और पूसा में 5.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।मौसम विभाग ने दिल्ली में शुक्रवार और शनिवार को बारिश के साथ आंधी की भविष्यवाणी की है। स्थानीय निवासी दीपक पांडे ने कहा कि मौसम अच्छा हो गया है और कश्मीर जैसा महसूस हो रहा है। मौसम इतना सुहावना हो गया है और कोई भी इसमें यात्रा कर सकता है। ठंड है, लेकिन बारिश से प्रदूषण का स्तर कम हो गया है। वहीं, रमन कुशवाहा ने कहा कि बहुत ठंड है। हल्की बारिश हुई है लेकिन इस मौसम में स्थानों पर जाना अच्छा है। प्रदूषण भी कम हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में आज शाम या रात में हल्की से मध्यम बारिश, बिजली चमकने के साथ आंधी और तेज़ हवाओं के साथ-साथ हल्का कोहरा छाने की संभावना है।

डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज, कांग्रेस मुख्यालय से शुरू होगी अंतिम यात्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को यहां किया जायेगा और इससे पहले उनका पार्थिव शरीर सुबह अंतिम दर्शन के लिए कांग्रेस मुख्यालय में रखा जायेगा। डॉ. सिंह का पार्थिव शरीर सुबह साढ़े नौ बजे अंतिम यात्रा पर रवाना होगा। सूत्रों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार राजघाट के निकट किया जायेगा। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, 'पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह जी का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए आज उनके आवास 3, मोतीलाल नेहरू रोड, नई दिल्ली में रखा गया है। कल, 28 दिसंबर को सुबह आठ बजे, उनके पार्थिव शरीर को एआईसीसी मुख्यालय ले जाया जाएगा और जनता और कांग्रेस कार्यकताओं को कल सुबह 8.30 से 9.30 बजे के बीच उन्हें श्रद्धांजलि देने का अवसर मिलेगा।' कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा कल सुबह 9.30 बजे एआईसीसी मुख्यालय से श्मशान घाट तक शुरू होगी।'

डॉ. सिंह का गुरुवार रात एम्स में निधन हो गया था। दिवंगत नेता का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जायेगा। उनके सम्मान में 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस शोक अवधि के दौरान पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों/उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए आधा झुका रहेगा।

डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के दिन सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों और केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों में आधे दिन की छुट्टी घोषित की गयी है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के तीन मोतीलाल नेहरू रोड स्थित आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति भवन ने एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

उपराष्ट्रपति सचिवालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ ने आज नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और देश के लिए उनके अमूल्य योगदान और उनकी चिरस्थायी विरासत को याद किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'डॉ. मनमोहन सिंह को उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।'

खरगे, राहुल व सोनिया ने दी श्रद्धांजलि

लुटियंस दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग के बंगला नंबर-तीन पर आज सुबह से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है। इस बीच उनके पार्थिव शरीर को सैन्य सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगे से लपेटा गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी और केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वॉड्रा दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने उनके सरकारी आवास 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के अंतिम दर्शन करने पहुंचे और श्रद्धांजलि दी।

डॉ. मनमोहन सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति : सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। आज शाम जारी अपने शोक संदेश में सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे।

मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी : रामनाथ कोविंद

कोलकाता। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में कोविंद ने कहा कि डॉ. सिंह ने उस समय देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी, जब आर्थिक संकट गहरा हुआ था। डॉ. सिंह के निधन को अपना व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कोविंद ने कहा, 'उनकी विनम्रता और सरलता की छवि हमेशा मेरे मन में रहेगी। मैंने कभी उनके मुख से कोई आपत्तिजनक या अशोभनीय शब्द नहीं सुना।' कोविंद ने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत को आर्थिक संकट के समय कुशल नेतृत्व प्रदान किया और अर्थव्यवस्था को नई दिशा में अग्रसर किया। डॉ. सिंह भारतीय मूल्यों और विज्ञान के संगम का प्रतीक थे। उनके अंदर भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय था। कोविंद ने कहा, 'उनके साथ मेरी अनेक यादें जुड़ी हुई हैं। यह नुकसान मेरे लिए किसी अपने को खोने जैसा है।' गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का निधन गुरुवार रात दिल्ली में 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे।

संक्षिप्त खबरें

28 को प्रस्तावित मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम स्थगित

रांची। नामकुम के कुटियाती चौक स्थित आर्मी मैदान में 28 दिसंबर को प्रस्तावित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। कार्यक्रम की अगली तिथि जल्द जारी की जायेगी। इस बात की जानकारी शुक्रवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने दी। उल्लेखनीय है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर केंद्र सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। ऐसे में झारखंड में भी 26 दिसंबर से एक जनवरी तक किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। इसलिए मंईयां सम्मान कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। राजकीय शोक के बाद कार्यक्रम आयोजित की जाएगी।

राज्य में एक जनवरी तक नहीं होंगे कोई भी राजकीय समारोह

रांची। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। ऐसे में 26 दिसंबर से एक जनवरी तक किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। साथ ही राज्य के सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, वे आधे झुके रहेंगे। इस संबंध में हेमंत सरकार के संयुक्त सचिव ने शुक्रवार को पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर को दिल्ली के एम्स अस्पताल में हो गया था। उनके निधन पर केंद्र सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई पंजाब सरकार को फटकार

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा खनौरी सीमा पर 26 नवंबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल की चिकित्सा से संबंधी मामले से निपटने में पंजाब सरकार के रवैये पर शुक्रवार को नाराजगी व्यक्त की और कहा कि इसे गंभीरतापूर्वक लिया जाए। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह से कहा, 'कृपया इसे बहुत गंभीरता से लें, किसी की जान दांव पर लगी है। शायद आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अन्यथा, आप अब तक उन्हें चिकित्सा सहायता दे चुके होते।' पीठ ने पंजाब सरकार से श्री दल्लेवाल को चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि अगर कुछ लोग कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

आईसीएआई ने सीए फाइनल परीक्षा का परिणाम घोषित किया

नयी दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने शुक्रवार को नवंबर 2024 में आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) फाइनल परीक्षा के परिणाम की घोषणा की जिसमें करीब 11,500 छात्र सफल हुए। हैदराबाद के हेरंब माहेश्वरी और तिरुपति के ऋषभ ओस्तवाल आर ने 84.67 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अहमदाबाद की रिया कुंजनकुमार शाह ने 501 नंबरों के साथ 83.50 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि किंजल अजमेरा ने 493 नंबरों के साथ 82.17 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बेकाबू बस नाले में गिरी, चालक समेत आठ की मौत

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के बठिंडा में यात्रियों से भरी एक बस बेकाबू होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीमों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। हादसे के वक्त बस में 45 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों की मौत नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एक निजी कंपनी की यात्रियों से भरी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। गांव जीवन सिंह वाला के पास एक नाले पर बने पुल से निकलते समय बस अनियंत्रित होकर गंदे पानी में जा गिरी। बस के नाले में

गिरते ही लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण व राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और

पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सीढ़ियां लगाकर नाले के पानी में फंसी बस से यात्रियों को बाहर निकाला। इस बीच नाले में जहरीली गैस के कारण यात्रियों का दम घुटने लगा। ग्रामीणों के अनुसार इस बरसाती नाले में आसपास के इलाके से सीवरेज का पानी गिरने और कई सालों से सफाई नहीं हुई है।

हदासे की सूचना पर एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि गुरु काशी ट्रांसपोर्ट की बस लोगों को लेकर बठिंडा की तरफ जा रही थी। जीवन सिंह वाला गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। मृतक चालक की पहचान मानसा के रहने वाले बलकार सिंह के रूप में हुई है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बठिंडा के उपायुक्त शौकत अहमद परे के अनुसार ग्रामीणों ने राहत कार्यों में काफी सहयोग किया है। बस को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकाल लिया गया है। एंबुलेंस से हादसे में घायल लोगों को तलवंडी साबो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद कुछ लोगों को सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया।

पंजाब में दर्दनाक हादसा : नाले में बस गिरने से 10 लोगों की मौत, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू में जुटी

बठिंडा/एजेंसी।

बठिंडा के जीवन सिंह वाला गांव के पास शुक्रवार को एक भीषण बस हादसा हुआ। गुरु काशी कंपनी की एक बस अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी, जिससे 10 लोगों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा तलवंडी साबो से बठिंडा की ओर जा रही बस के साथ हुआ। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और एनडीआरएफ

की टीमें मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

बस के नाले में गिरने के कारणों का अभी पता नहीं लग पाया। स्थानीय विधायक जगरूप सिंह गिल ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 5 अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। उन्होंने घायलों के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

आत्मनिर्भरता > भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे गए 9 खूंखार शिकारियों को किया ऑपरेशनल

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे जा रहे खूंखार शिकारी 24 एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ को बेड़े के जहाजों पर ऑपरेशनल कर दिया है। इन बहु भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत किया है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी।

एमएच 60आर हेलीकॉप्टर नौसेना की आंख, कान बनकर करेंगे दुश्मन का सफाया

भारतीय नौसेना ने इसी साल 06 मार्च को पारंपरिक वॉटर कैनन सलामी के साथ कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्क्वाड्रन को औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था। इस सीहॉक्स स्क्वाड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करेगा। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी-मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर हमारी समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा।

भारतीय नौसेना ने अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीदे हैं, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुआ था। इस सौदे के तहत अब तक नौ एमएच-60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सीहॉक की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मजबूत करेगी। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं।

इस खूंखार शिकारी से हरेक पनडुब्बी का कैप्टन डरता है

बहुउद्देश्यीय अमेरिकी समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच-60आर को पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध, खोज और बचाव, चिकित्सा निकासी के लिए डिजाइन किया गया है। इस हेलीकॉप्टर में नाइट विजन उपकरण, हेलफायर मिसाइलें, एमके-54 टॉरपीडो और रॉकेट लगे हैं। रोमियो हेलीकॉप्टर में लगे राडार और सेंसर न केवल पानी के अंदर, बल्कि पनडुब्बियों की पहचान करके समय रहते उनका शिकार भी कर सकेंगे। इस खूंखार शिकारी से हरेक पनडुब्बी का कैप्टन डरता है। यह हेलीकॉप्टर कई अलग-अलग तरह के हथियारों से लैस हो सकता है, क्योंकि इसमें हथियारों को लगाने के लिए चार प्वाइंट्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए इसमें 7.62 एमएम की मशीन गन को भी लगाया जा सकता है।

कांकेर में तेज रफ्तार का कहर, पांच लोगों की मौत

एजेंसी

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर थानांतर्गत भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग में खंडी नदी के पास तेज रफ्तार एक स्कॉर्पियो ने दो मोटरसाइकिल सवार पांच लोगों को रौंद दिया। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों में तीन युवक और दो युवती शामिल हैं। बीजापुर निवासी स्कॉर्पियो चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

भानुप्रतापपुर के एसडीओपी प्रशांत पैकरा ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब चार बजे सूचना मिली कि एक वाहन चालक जो भानुप्रतापपुर से अंतागढ़ की ओर तेज रफ्तार से जा रहा था। इसी दौरान उसने दो मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच लोगों की मृत्यु हो गई। वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है जबकि मृतकों को भानुप्रतापपुर अस्पताल की मचुर्री में रखा दिया गया है। मृतकों की पहचान की जा रही है, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतकों में दो लड़कियां और एक पुरुष संबलपुर का निवासी है, वहीं बाकी दो के मानपुर के निवासी होने की जानकारी मिली है।

डॉ. मनमोहन सिंहः आधुनिक भारत में आर्थिक बदलाव के रहे सूत्रधार

देश के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के 14वें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के साथ ही एक ऐसे नेता के युग का अंत हो गया, जिसने आधुनिक भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की उम्र में 26 दिसंबर की रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। अपने शांत स्वभाव और बौद्धिक कौशल के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने भारत में ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने में अहम भूमिका निभाई थी।

1991 में व्यापक सुधारों का श्रेय उन्हें ही दिया जाता है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को खोला, तथाकथित लाइसेंस-परमिट राज को खत्म किया और वैश्विक मंच पर भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर मजबूती से स्थापित किया। एक शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ के रूप में उनकी यात्रा न केवल प्रेरणादायक रही बल्कि उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों और राजनीतिक निर्णयों ने भारत के इतिहास में एक नई दिशा दी। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों का वास्तुकार भी कहा जाता है। डॉ. मनमोहन सिंह ने जुलाई 1991 में अपने बजट भाषण के अंत में फ्रांसिसी लेखक विक्टर 'गो की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा था- दुनिया की कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है। मैं इस सम्मानित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।

मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि की। 2004 से 2014 तक भारत 10वें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई थी। मनमोहन सिंह ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक अभूतपूर्व विकास और वृद्धि की दिशा में देश को नेतृत्व प्रदान किया। उनके द्वारा किए गए प्रमुख सुधारों में उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज की समाप्ति और व्यवसाय शुरू करने के लिए सरल प्रक्रियाओं का निर्माण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के दरवाजे खोलना और विदेशी व्यापार को प्रोत्साहित करना, कर ढ़ांचे को सरल और पारदर्शी बनाना, भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बाजार पर आधारित सुधार लागू करना, ग्रामीण रोजगार और गरीबी उन्मूलन के लिए 'मनरेगा' लागू करना शामिल हैं। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकाला और उसे विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया। भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7 प्रतिशत रही और उसी के परिणामस्वरूप भारत करीब दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था। उन्हें न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें न केवल उन कार्यों के लिए स्मरण किया जाता रहेगा, जिनके जरिये उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा।

उन्होंने आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा। साथ ही सामाजिक और विकासशील नीतियों पर भी जोर दिया। हालांकि उनका कार्यकाल आलोचनाओं से भी अछूता नहीं रहा। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्हें आर्थिक चुनौतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा और निर्णय लेने में धीमापन उनकी सरकार के लिए नकारात्मक साबित हुए। 2जी घोटाला उनके कार्यकाल के सबसे बड़े विवादों में से एक रहा। इसके अलावा कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले को 'कोलगेट' के नाम से जाना गया। उनके दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों की गति धीमी रही। 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह की छवि बेहद कम बोलने वाले और शांत रहने वाले व्यक्ति की रही। हालांकि जब भी वे कुछ बोलते थे, वह सुर्खियां बन जाती थी। मनमोहन सिंह ने ही कहा था कि राजनीति में लंबे समय तक कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। वह कहा करते थे कि मैं एक खुली किताब की तरह हूं और मेरे दस वर्ष का कार्यकाल इतिहासकारों के मूल्यांकन का विषय है। उन्होंने 27 अगस्त 2012 को संसद में कहा था कि हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी है, जिसने न जाने कितने सवालों की आबरू रखी।

डॉ. मनमोहन सिंह को उनके अलोचकों द्वारा 'मूक प्रधानमंत्री' की संज्ञा दी जाती थी लेकिन उन्होंने आमतौर पर इस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। इस पर उनकी पहली प्रतिक्रिया दिसंबर 2018 में उनकी पुस्तक 'द चेंजिंग इंडिया' के विमोचन के अवसर पर सामने आई थी, जब उन्होंने कहा था कि जो लोग कहते हैं कि मैं एक मूक प्रधानमंत्री था, मुझे लगता है कि मेरी ये पुस्तकें बोलती हैं। बतौर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लोकसभा में 23 मार्च 2011 को विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। उस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर तंज करते हुए कहा था, 'तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यों लुटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।' इसके जवाब में डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था, 'माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख।' डॉ. मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में बतौर प्रधानमंत्री अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया के उन सवालों का जवाब देते हुए, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वे निर्णायक नहीं रहे, कहा था कि मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं बल्कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में ज्यादा उदार होगा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। उन्होंने कहा था कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। उनका कहना था कि मुझे उम्मीद है कि मीडिया की तुलना में इतिहास मेरा मूल्यांकन करते समय ज्यादा उदार होगा।

26 सितंबर 1932 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के गांव गाह में जन्मे मनमोहन सिंह का परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में हुई थी, जिसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र में ट्रिपोस किया और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट अर्थशास्त्री बनाया बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य और आर्थिक सोच की गहराई भी प्रदान की। अपने कैरियर की शुरुआत उन्होंने भारतीय सिविल सेवा से की और बाद में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में भी कार्य किया। वे 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और उस दौरान उन्होंने वित्तीय स्थिरता बनाए रखने तथा मुद्रा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उदारीकरण और आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री-पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

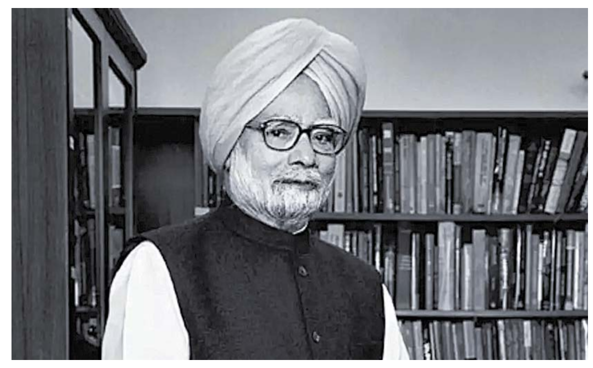

पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है।

2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया। डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

स्मृति शेषः डॉ. मनमोहन सिंह

डॉ. रमेश ठाकुर

बानवे वर्ष की उम्र में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। भारत ने अर्थव्यवस्था का विलक्षण वास्तुकार खो दिया। पूरे संसार की आंखें उनके निधन से नम हैं। दो बार प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने 5 ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिन्हें मौजूदा क्या, आने वाली पीढ़ियां स्मरण करती रहेंगी। 2005 में 'सूचना का अधिकार' और उसी साल 'मनरेगा कानून' लागू किया जाना, इनमें शामिल है। फिर साल 2009 में 'शिक्षा का अधिकार कानून।' वहीं, 2013 में दो बड़े फैसले 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून' और 'भूमि अधिग्रहण कानून' पर फैसले को हर भारतीय याद करेगा।

डॉ. सिंह को अर्थव्यवस्था का सूत्रधार कहा गया। देश की नाजुक अर्थव्यवस्था के दौर में बने वित्त मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के दो साल के कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था में सुधार के उनके फैसलों के सभी कायल हैं। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में जब प्रधानमंत्री बनाने की बात हुई तो प्रणब मुखर्जी का नाम सबसे आगे था लेकिन प्रणब मुखर्जी ने खुद आगे बढ़कर सोनिया गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से गुहार लगाई कि देश की अर्थव्यवस्था जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसमें डॉ. मनमोहन सिंह से बेहतर कोई दूसरा नाम नहीं हो सकता। साल 1991 में वित्तमंत्री रहते उन्होंने जब देश की नाजुक अर्थव्यवस्था को संभाला था, तब स्वयं अटल बिहारी वाजपेई ने उनकी तारीफ की। उनके वित्तमंत्री रहे तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव ने उन्हें अहम फैसलों के लिए पूरी ताकत दी। यह ऐसा दौर था जब वित्तमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह ने दशकों से बंद पड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था के दरवारों को खोलने की शुरुआत की। वित्तमंत्री रहते लाइसेंस राज को खत्म करने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने सबसे पहले विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने का काम किया और भारत के भीतर विदेशी कारोबार के लिए आधारभूत ढांचा मुहैया कराया। भारत में बाहरी कंपनियों के आगमन की शुरुआत यहीं से हुई।

गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था के अलावा डॉक्टर मनमोहन सिंह को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा सुधारक माना गया है। एकबार खुद उन्होंने स्वीकारा था कि विश्व के उच्च शिक्षा संस्थान में पढ़ने के बाद ही उन्हें देश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां को संभालने का अवसर मिला। इसलिए वह उच्च शिक्षा के सदैव पक्षधर रहे। प्रत्येक निर्णय में उनका धैर्य, संयम, निस्पृहता और उदारता देखने लायक होती थी। दबाव में आकर या जल्दीबाजी में उन्होंने कभी कोई निर्णय नहीं लिया। 2005 में मनरेगा का जब फाइनल ड्राफ्ट उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया तो उन्होंने उसमें फेरबदल को कहा। इसे लेकर सोनिया गांधी की नाराजगी भी सही लेकिन बाद में हुआ वही जो मनमोहन सिंह चाहते थे। मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व निःसंदेह करिश्माई था। अस्सी के दशक में जिन्होंने भी विभिन्न भारतीय नोटों में रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में उनका नाम और हस्ताक्षर देखें होंगे, उन्होंने सोचा नहीं होगा कि ये व्यक्ति कभी प्रधानमंत्री का ओहदा भी संभालेगा। एक बार उन्होंने लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। उसके बाद वह बिना कोई चुनाव लड़े देश के शीर्ष पद पर पहुंचे। डॉ. मनमोहन सिंह रिकॉर्ड 33 वर्ष तक राज्यसभा में सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे। वर्ष-1991 में वह पहली बार राज्यसभा पहुंचे। उसके 1995, 2001, 2007 और 2013 में फिर से राज्यसभा के लिए चुने गए। सन 1998 से लेकर 2004 के बीच वह राज्यसभा में नेता विपक्ष का ओहदा भी संभाला।

इसके अलावा वह वित्त सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री के सलाहकार, यूजीसी अध्यक्ष और आरबीआई गवर्नर भी रहे। कुल मिलाकर उन्होंने देश के बड़े पदों पर रहते इस पद को सार्थक बनाया। वैश्विकरण, उदारीकरण और निजीकरण के तीनों संस्करणों में उन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा।
(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जाए के बा अकेले झमेल कवना काम के

विनय कुमार तिवारी

यह दुनिया एक विशाल समारोह के समान है, जहां हर व्यक्ति अपने हिस्से की भूमिका निभाने आता है। पर सच यह है कि इस समारोह में हम अकेले ही शामिल हुए थे और अंततः अकेले ही विदा होंगे। यह जीवन एक सीमित समय के लिए हमें मिला है, बिल्कुल वैसे ही जैसे कोई उत्सव या आयोजन एक समय सीमा में सिमटा होता है। लेकिन यह समारोह स्थायी नहीं है। असली और स्थायी समारोह तो परमात्मा के पास है, जहां आत्मा को अनंत शांति और स्थायित्व मिलता है।

जब हम इस सच्चाई को समझते हैं, तब "जाए के बा अकेले झमेल कवना काम के" का सवाल एक गहरी सोच को जन्म देता है। जीवन के इस अस्थायी सफर में हम चाहे कितने ही अपने, रिश्तेदार, या साथी क्यों न बना लें, अंततः हमें अपने कर्मों और जिम्मेदारियों का बोझ अकेले ही उठाना होता है। हमारा साथ देने वाले लोग हमारे सफर का हिस्सा जरूर हो सकते हैं, पर अंततः हर किसी का रास्ता अलग है। अकेलापन इस दुनिया का अटल सत्य है। जब कोई नया

जीवन जन्म लेता है, तो वह अकेले आता है। जब किसी का अंत होता है, तो वह अकेले ही जाता है। बीच का समय, जो हमें इस धरती पर मिला है, वह एक परीक्षा की तरह है, जिसमें हमें अपने कर्तव्यों को निभाते हुए जीवन को सार्थक बनाना है।जिंदगी के इस समारोह में, अकेलापन चाहे कठिनाइयों का प्रतीक लगे, लेकिन यह हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह हमें याद दिलाता है कि जो कुछ भी हमें मिला है, परिवार, दोस्त, धन-दौलत, वह सब अस्थायी है। असली सुख और स्थायित्व परमात्मा के पास है। यही सोच हमें इस दुनिया की नश्वरता को समझने में मदद करती है। जब हम यह समझ जाते हैं कि इस समारोह में हम अकेले ही आए हैं और अकेले ही जाएंगे, तो जिम्मेदारियों का बोझ भी हल्का लगने लगता है। तब यह अहसास होता है कि हमें किसी के लिए नहीं, बल्कि खुद के लिए और अपने परमात्मा के लिए जीना है। जीवन के हर संघर्ष को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करना और हर जिम्मेदारी को पूरा करना, यही हमारी आत्मा को मजबूत बनाता है। यह दुनिया एक ऐसा मंच है, जहां हर किसी को अपनी भूमिका निभानी है। यह भूमिका चाहे छोटी हो या बड़ी, लेकिन इसे निभाना हमारा कर्तव्य है। जैसे किसी समारोह में हर मेहमान का अपना महत्व होता है, वैसे ही इस जीवन के समारोह में भी हर आत्मा का एक उद्देश्य है। हमें अपने उद्देश्य को पहचानना और उसे पूरा करना है।

अकेलेपन को नकारात्मकता के रूप में नहीं, बल्कि एक उपहार के रूप में देखना चाहिए। यह हमें आत्मनिर्भर बनाता है और हमारे मन को परमात्मा की ओर मोड़ता है। जब हम यह महसूस करते हैं कि इस जीवन का असली उद्देश्य परमात्मा तक पहुंचना है, तो हर संघर्ष, हर जिम्मेदारी और हर अकेलापन हमें सार्थक लगने लगता है। इस समारोह की खूबसूरती यही है कि यह सीमित है। जैसे एक त्योहार खत्म होने पर उसकी यादें बचती हैं, वैसे ही इस जीवन के बाद हमारे कर्म ही हमारे साथ जाते हैं। यही कर्म तय करते हैं कि परमात्मा के उस स्थायी समारोह में हमारी जगह कैसी होगी। इसलिए, "जाए के बा अकेले झमेल कवना काम के" का उत्तर यही है कि इस जीवन को एक अस्थायी सफर मानते हुए अपनी जिम्मेदारियों को निभाना और अपनी आत्मा को परमात्मा के लिए तैयार करना। यह जीवन एक तैयारी है, एक अभ्यास है, उस स्थायी और दिव्य समारोह के लिए, जहां से हमारी आत्मा को कभी अलग नहीं होना पड़ेगा।

विपक्ष को दलित वोट भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है क्या?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी बार-बार संविधान की भावना की हत्या की है। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर गांधी परिवार की हर पीढ़ी ने सत्ता में रहते हुए संविधान से छेड़छाड़ की है। संविधान से छेड़छाड़ का दाग कांग्रेस के माथे से नहीं मिटेगा, यह पाप। लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया है नेहरू-गांधी परिवार। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। 75 साल में 55 साल तक एक ही परिवार ने राज किया, इसलिए देश में क्या-क्या हुआ ये जानने का अधिकार सबको है। उक्त बातें लोकसभा में संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कही।

उन्होंने लोकसभा में 11 संकल्प बताये (1) चाहे नागरिक हो या सरकार हो, सभी अपने कर्तव्यों का पालन करें। (2) हर क्षेत्र, हर समाज को विकास का लाभ मिले। (3) भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस हो भ्रष्टाचारी की सामाजिक स्वीकार्यता न हो। (4) देश के कानून, देश के नियम, देश की परंपराओं के पालन में देश के नागरिकों को गर्व होना चाहिए। (5) गुलामी की मानसिकता से मुक्ति हो, देश की विरासत पर गर्व हो। (6) देश की राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति मिले। (7) संविधान का सम्मान हो, राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान को हथियार न बनाया जाए। (8) जिनको संविधान से आरक्षण मिल रहा है, उसे न छीना जाए, धर्म के आधार पर आरक्षण की हर कोशिश पर रोक लगे। (9) महिलाओं के नेतृत्व में विकास यानि वूमेन लेड डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी जाए। (10) राज्य के विकास से राष्ट्र का विकास बने-यह हमारा मंत्र हो। (11) एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र सर्वोपरि हो। शीतकालीन सत्र में 'एक देश-एक चुनाव' संबंधी विधेयक पेश किये जाने और कई विषयों पर भारी हंगामे के बाद संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई गयी है।

कांग्रेस आंबेडकर की तस्वीरें लेकर संसद परिसर में विरोध कर रही थी। विपक्ष और कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान के एक हिस्से को प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन उसके शेष हिस्से को सुनने के लिए आज भी तैयार नहीं है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के नाम पर चल रही राजनीति शांत होने का नाम नहीं ले रही है। देश भर में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष विरोध प्रदर्शन हो रहा है। जिस तरह की सियासत हो रही है, देश के इतिहास में कभी भी ऐसा नहीं हुआ था। इडी (कांग्रेस) गठबंधन द्वारा, बाबा साहेब के नाम पर केन्द्रीय गृह मंत्री से इस्तीफा मांगना तथा सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हाथापाई, समझ से पड़े हैं। बाबा साहेब संविधान रचना के समय ही इशारा किया था कि संविधान अपने आप में कुछ नहीं कर सकता है, उसकी पालन करने वालों की गुणवत्ता पर सब कुछ निर्भर करेगा। अच्छे प्रतिनिधि संविधान को ठीक से लागू करेंगे और बुरे प्रतिनिधि संविधान का दुरुपयोग करेंगे। बाबा साहेब जब अपनी सियासी जमीन तलाश रहे थे, उस समय देश में 18 प्रतिशत साक्षरता था और आज 40 प्रतिशत साक्षरता हैं। उस समय साक्षर नेता बाबा साहेब दो-दो बार चुनाव हारे थे या कहिए कि हरवा दिए गए थे। आज राजनीतिक दल को वोट देते समय बाबा साहेब को याद करना चाहिए और साक्षर नेता को उनकी कावलियत को देखते हुए मतदान करना चाहिए, मुझे लगता है कि ऐसा करने से बाबा साहेब के प्रति शायद यही सच्चा प्रेम होगा। भारत के संविधान-निर्माता बाबा साहेब डॉ बी आर आंबेडकर देश की राजनीति में अचानक केन्द्र विंदु में आ गए हैं। देश के गृह मंत्री का बाबा साहेब का अपमान का इरादा नहीं था, यह उन्होंने साफ कर चुके हैं, लेकिन विपक्ष ने यह मुद्दा जोरदार ढंग से बाहर उठाकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सफाई देने पर मजबूर कर रहे है। इस मुददे को संसद से बाहर उठाने के कारण देश के दलितों को अनावश्यक उल्लेख पर आपत्ति हो रही है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था, होना तो यह चहिए था कि अब तक बाबा साहेब के प्रति शासन करने वाली सरकारें क्या विचार रखती थी। देखा जाए तो विपक्ष की कांग्रेस सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न नहीं दिया था, न ही उनका चित्र संसद में लगाया था। देश के दलितों की मांग थी कि मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी का नामकरण डॉ आंबेडकर के नाम पर किया जाए, लेकिन यह सब भी कांग्रेस ने नहीं किया।

राज्यसभा में केन्द्रीय गृहमंत्री ने अपने लगभग एक घण्टा 40 मिनट दिए भाषण में जिस तरह से वे तथ्यों और तर्कों को रखा, उसने कांग्रेस नेतृत्व को मुश्किल होने लगा था। भाषण के समय कांग्रेस के कोई नेता तर्कों का विरोध नहीं कर सका। लेकिन कार्यवाही के बाद कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह के राज्यसभा में दिए गए भाषण में से 12 सेकेण्ड की विडियो क्लिप निकाल कर बाहर हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके बाद अन्य विपक्षी पार्टिया केन्द्र सरकार पर हमलावर हो गए। प्रश्न यह उठता है कि हंगामा करने बाले यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर ऐसा कहने से बाबा साहेब का अपमान कैसे हो गया। लगता है कि विपक्ष डरा हुआ है कि भाजपा बाबा साहेब को आजादी के बाद उचित स्थान देकर, दलित समुदाय के हितों की वास्तविक चिन्ता की है, जिससे दलित वोट भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। इसलिये शाह के बयान को तोड़-मरोड एवं आधा-अधूरा प्रस्तुत कर बेवजह का हंगामा करने पर तुले दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि अब समय आ गया है कि संविधान की शत प्रतिशत पालना हुआ है या नहीं इस विषय पर देश में मंथन होना चाहिए। अपनी तमाम ऐतिहासिक हस्तियों के बारे में व्यापक नजरिया रखना चाहिए।

जयपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों पर पीला पंजा चलाकर दिया विधिसम्मत कार्रवाई को अंजाम

14 बीघा भूमि पर दो नवीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त,अन्य स्थानों से हटाए अतिक्रमण

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 27 दिसम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी करीब 4 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त, जोन-12 ग्राम नारी का वास में जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त, जोन-9 में ग्राम गौनेर में अनुमादित योजना बालाजी एनक्लेव में पार्क /सुविधा क्षेत्र की भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। साथ ही जोन-14 में निजी खातेदारी करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। ग्राम चन्दलाई में 60 फिट रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम लबाना दिल्ली रोड जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर '' मिताशी नगर'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम नारी का वास जिला जयपुर में अटल विहार योजना जेडीए स्वामित्व के सरकारी भूमि में आ रहे कमरे, लैट-बाथ, तारबंदी, बाडे, चबूतरे, सीढियां, बाउन्ड्रीवाल इत्यादि कब्जे-अतिक्रमणों को जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम गौनेर अनुमादित योजना बालाजी एनक्लेव में सरकारी पार्क/सुविधा क्षेत्र की भेमि पर निम्नस ग्रुप द्वारा कब्जा-अतिम्रमण कर अवैध रूप करीव 181 फिट लम्बाई 35 फिट चौडाई में दीवार निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होते ही आज जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर पार्क/सुविधा क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।जेडीए द्वारा जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम चन्दलाई तह. चाकसू जिला जयपुर म 60 फिट रोड सीमा पर कब्जा-अतिम्रमण कर दीवार बनाकर रास्ता अवरूध किया गया था जिससे स्थानीय लोगो व आमजन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होते ही आज जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर 60 फिट रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बासा से सिमलिया की तरफ जाने वाली रोड के उत्तर दिशा तहसील चाकसू में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ प्रवर्तन अधिकारी जोन 13, 12, 9, 14 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से तक कुल 107 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। एवं 03 सरकारी पार्क 03 सुविधा क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कारवाया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक युनुस खान ने विधायक कोष से डीडवाना गौशाला के लिए 5.00 लाख रुपये स्वीकृति की करी अभिशंसा

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) डीडवाना के लोकप्रिय जनसेवक विधायक युनुस खान ने जनता की मांग पर विधानसभा क्षेत्र डीडवाना के ग्राम लादडिया ग्राम की गौशाला,सड़क, चिकित्सा, शिक्षा एवं अन्य सुविधाएं को सुव्यवस्थित उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पीत होकर अपने विधायक कोष से गौशाला में चारदीवारी निर्माण व मरम्मत कार्य हेतु 5.00 लाख रुपये की स्वीकृत करने की अभिशंसा की इस मौके पर विधायक युनुस खान ने कहा की डीडवाना विधानसभा के चहुंमुखी विकास और सर्व समाज के जनकल्याणकाण के संबंध में कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी मैं जनता का सेवक हूं और डीडवाना की जनता जनार्दन को गणेश मानकर उनकी सेवा के हमेशा तत्पर रहूंगा

राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश करारों को धरातल पर उतारने के लिए बने प्रभावी कार्ययोजना

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 दिसंबर। जिले में निवेश को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करने के लिए विभागीय अधिकारी राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश करारों को धरातल पर उतारने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बना कर समस्त एमओयू का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह दिशा निर्देश प्रदान किये।जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश करारों की प्रगति की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान कलक्टर ने अधिकारियों को निवेश करारों को धरातल पर पर उतारने एवं निवेश करारों के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भू आवंटन सहित समस्त प्रकार की आवशयक कार्यवाहियों का जल्द से जल्द निस्तारित करने के भी निर्देश प्रदान किये।अतिरिक्त जिला कलक्टर विनिता सिंह, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र शिल्पी आर. पुरोहित सहित रीको, जयपुर विकास प्राधिकरण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, शिक्षा विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

चुरु जिले में थाना भालेरी एवं भानीपुरा थाना पुलिस की कार्रवाई

अपहरण की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को मात्र 2 घण्टे में पकड़ा, अपहृत बालक सकुशल दस्तयाब

चमकता राजस्थान

जयपुर/चूरू! (खलील कुरैशी) 27 दिसम्बर। जिले के भालेरी थाना क्षेत्र में कानड़वास गांव निवासी एक बालक को घर से फॉर्च्यूनर गाड़ी में अगवा करने के मामले में जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मात्र 2 घण्टे के भीतर तीन आरोपियों रणवीर जाट पुत्र तेजाराम बेरड (26) व कालू उर्फ चेतनाराम जाट पुत्र हंसराज बेरड 24 निवासी मालकसर थाना भानीपुरा एवं कैलाश कुमार जाट पुत्र मांगीलाल सारण (25) निवासी रंगाईसर थाना सरदारशहर चूरु को गिरफ्तार कर अपहृत बालक को सकुशल छुड़ा लिया है।एसपी जय यादव ने बताया कि गुरुवार को देर रात सूचना मिली कि थाना भालेरी क्षेत्र के कानडवास गांव में एक लडके को उसके घर से 3-4 लडके फोरर्चुनर गाडी में डालकर ले गये हैं। इस पर अति पुलिस अधीक्षक राजगढ किशोरी लाल, सीओ रोहित सांखला के सुपरविजन व एसएचओ जगदीश सिह के नेतृत्व में थाना भालेरी से टीम गठित की जाकर तुरन्त तलाश शुरू की गई और जिलेभर में नाकाबंदी करवाई गई।तकनीकी आधार पर पुलिस को बालक के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई। जिस पर थाना भालेरी की टीमों ने थाना भानीपुरा पुलिस टीम के सहयोग से अपहरणकर्ता रणवीर बेरड, कैलाश कुमार सारण व कालू उर्फ चेतना राम बेरड को दस्तयाब कर वारदात के मात्र 2 घण्टे में अपहरणकर्ताओं के चंगुल से अपहृत बालक को सकुशल छुडवाया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ करने में जुटी है।आरोपियों की गिरफ्तारी और अपहृत बालक की दस्तयाबी करने वाली टीम में एसएचओ भालेरी जगदीश सिंह, एसएचओ भानीपुरा राय सिंह के साथ थाना भालेरी से हैड कांस्टेबल बलवंत सिह, कांस्टेबल कृष्ण कुमार, धर्मपाल, भींवा राम, भवानी सिंह, श्रवण कुमार एवं साईबर सैल से हेड कांस्टेबल भागीरथ राम शामिल थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर संवेदना प्रकट कर शोक व्यक्त किया-

- स्व. डॉ. मनमोहन सिंह साधारण पृष्ठभूमि से उभरकर बने आर्थिक सुधारों के युगपुरूष :- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को गहरा शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह ने छोटे से गांव एवं साधारण परिवार से निकलकर ज्ञान और समर्पण से देश को आर्थिक सुधारों के एक नए युग में प्रवेश कराया। वित्त मंत्रालय के सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा में अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उनके विनम्र और सहज व्यक्तित्व ने सार्वजनिक जीवन में उन्हें विशेष स्थान दिलाया मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

जीआरपी जोधपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ट्रेन में महिला यात्रियो के गहने चोरी करने वाली उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखण्ड की शातिर गैंग का खुलासा, सरगना सहित 8 सदस्य गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर/जोधपुर (खलील कुरैशी) 27 दिसम्बर। जीआरपी जोधपुर पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर ट्रेनों में महिलाओं के गहने चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए गैंग के सरगना सहित आठ सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमाण्ड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।एसपी अभिजीत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मारुफ अली पुत्र एवज अली (66) निवासी कोतवाली जिला बिजनौर, गम्भीर सिंह चौधरी उर्फ नागराज पुत्र जसबहार सिंह (50) निवासी हल्दौर जिला बिजनौर हाल हापुड़ उत्तरप्रदेश, इकबाल अहमद अंसारी पुत्र हबीब अहमद (53) निवासी नेहटोर जिला बिजनौर, नौशाद उर्फ गुड्डु पुत्र जिलानी उर्फ राव (44), शरीफ रहमान पुत्र जीह्लू रहमान (52), वसीम अहमद खान पुत्र रशीद (42) निवासी सिविल लाईन जिला हरिद्वार उतराखण्ड एवं महावीर सिंह पुत्र रामगोपाल धीमर (35) व अनिल कुमार पुत्र मुकेश कुमार लोदी (28) निवासी छर्रा जिला अलीगढ उत्तरप्रदेश है।गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध पूर्व में भी कई प्रकरण दर्ज होना पाया गया है। उक्त गैंग द्वारा देश के कई राज्यो में चोरी की वारदात किये जाने की संभावना के चलते पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।एसपी सिंह ने बताया कि 13 दिसम्बर को सोजतरोड निवासी कंचन देवी (52) द्वारा रिपोर्ट दी गई थी कि 11 दिसंबर को वह अपनी परिचित हेमा के साथ सुबह 8:00 बजे जोधपुर रेल्वे स्टेशन से सोजत रोड़ के लिए जोधपुर इंदौर पैसेंजर ट्रेन में बैठी थी। उसके पास एक बैग था, जिसमे 164 ग्राम सोने के गहने रखे थे। बैग को उसने सीट के नीचे रख दिया। सोजत रोड़ रेल्वे स्टेशन उतरकर बैग चैक किया उसमें रखे गहनों के बॉक्स से गहने गायब थे। पीड़ित महिला ने बासनी रेलवे स्टेशन पर उतरे कुछ लड़कों पर चोरी का शक जताया। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई ट्रेनो मे सोने के जेवरों की चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसपी अभिजीत सिंह द्वारा उप अधीक्षक पुलिस जीआरपी जोधपुर सन्दीप सिंह के सुपरविजन एवं एसएचओ भवंर लाल के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल सुभाष चन्द्र, कांस्टेबल रिडमल सिंह, मोहन लाल, राजूराम व चालक हेड कांस्टेबल महिराम एवं साइबर सेल से हेड कांस्टेबल दीपेन्द्र पाल सिंह की विशेष टीम गठित की गई।

घटना का पर्दाफाश के लिए किये गये प्रयास

उक्त घटना का अंजाम देने वाले आरोपी पूर्णतया अज्ञात होने से मुल्जिमो की पहचान करना बहुत मुश्किल कार्य था। विशेष टीम द्वारा पूर्व में सजायाब अपराधियो से इस प्रकार की वारदात करने वाले अपराधियो की जानकारी प्राप्त की। विभिन्न रेल्वे स्टेशनो के सीसीटीवी फुटेज चैक किये एवं अन्य तकनीकी पहलूओ का विष्लेषण किया जाकर पूर्ण नियोजित योजना से उक्त आपराधिक गिरोह को दस्तयाब किया गया। गैंग के सदस्यो से पूछताछ की गई तो उन्होने वारदात किया जाना स्वीकार किया।

तरीका वारदात

इस गैंग के सदस्य ट्रेनो के जनरल कोच में सफर करते है। गैंग के सभी 8-9 सदस्य ट्रेन स्टेशन पर लगते ही एक केबिन में पहले से ही सीटे रोक कर बैठ जाते है। जैसे ही केबिन में कोई महिला यात्री आती है, गैंग का एक सदस्य अपनी सीट उस महिला यात्री को दे देता है। बाकी महिला के पास में ही अपनी सीट पर बैठे रहते है। गैंग का सरगना खिड़की वाली सीट पर बैठता है।महिला यात्री का सामान सीट के नीचे की तरफ रखवा देते है तथा मौका पडने पर उसके सामान को चोरी-छिपे अन्तिम सीट पर बैठे गैंग के मुखिया की ओर खिसका देते है। गैंग का मास्टर बैग की तलाशी ले रहा होता है, बाकी सदस्य महिला को बातो में उलझा देते है। बैग से सोने के जेवरात निकालकर बैग वापिस वहीं रख देते है, जहां पहले था। वारदात करते ही गैंग के सभी सदस्य अगले रेल्वे स्टेशन पर उतर अपने गृह प्रदेश जाकर आपस में चोरी गये माल का बंटवारा कर लेते है।

राज्य सरकार ने डीप फेक से सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की

आमजन और संगठनों को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में संभावित खतरों के प्रति जागरूक करने के लिए दिये सुझाव

चमकता राजस्थान

जयपुर,!(खलील कुरैशी)27 दिसम्बर। डीप फेक एवं आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस का दुरूपयोग कर सोशल मीडिया पर गलत खबरें फैलाने की बढ़ती हुई घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इससे आमजन में साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। एजवाइजरी के माध्यम से व्यक्तियों और संगठनों को डीपफेक के संभावित खतरों को पहचानने और उनसे बचाव के लिए सुझाव दिये गए हैं।

● **क्या है डीपफेक तकनीक**

डीपफेक एक तकनीक है जिसमें एआई का उपयोग कर यथार्थ और विश्वसनीय लगने वाले नकली वीडियो, चित्र और ऑडियो बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से गलत सूचनाएं फैलाने, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी करने का काम किया जाता है। इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति या संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है। घोटालेबाजों द्वारा डीपफेक तकनीक का उपयोग कर परिवार के सदस्यों या परिचितों का प्रतिरूपण कर धन हस्तांतरण या संवेदनशील वित्तीय जानकारी जुटा कर उसका दुरूपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा डीपफेक के माध्यम से सार्वजनिक हस्तियों या घटनाओं का नकली वीडियो बनाकर आमजन को भ्रमित किये जाने का जोखिम भी है।

● **डीपफेक से कैसे बचें**

डीपफेक से बचने के लिए उसे पहचानना जरूरी है। असामान्य भावभंगिमाएं, सिंथेटिक रूप रंग, रोबोट जैसी आवाज एवं असंगत प्रकाश व्यवस्था जैसे संकेतों से डीपफेक की पहचान की जा सकती है। डीपफेक से बचाव के लिए जरूरी है कि बिना विश्वसनीय स्रोत के किसी भी डिजिटल सामग्री को सोशल मीडिया पर साझा नहीं करना चाहिये।
किसी भी सूचना की वास्तविकता का आकलन करके ही शेयर करें। इसके अतिरिक्त अनचाहे संदेश या अनुरोध प्राप्त होने पर उसे बिना सत्यापित करे कोई कार्यवाही न करें। साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह भी जरूरी है कि व्यक्ति ऑनलाइन साझा किये जाने वाली सूचनाओं खासकर व्यक्तिगत सूचनाओं की मात्रा को सीमित करें। खास तौर पर हाई रेजोल्यूशन वाली तस्वीरें और वीडियो क्योंकि इनका दुरूपयोग डीपफेक बनाने के लिए आसानी से किया जा सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर गोपनीयता की सेटिंग का उपयोग कर लोगों की पहुंच नियंत्रित करनी चाहिये। साथ ही अपने खातों को हैकिंग प्रयासों से रोकने के लिए मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना चाहिये।

● **संगठन ऐसे पा सकते हैं डीपफेक से सुरक्षा**

राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी में संगठनों के लिए भी रणनीतियाँ जारी की गई हैं। इसमें ऑनलाइन फोटो, वीडियो अथवा डॉक्यूमेंट जारी करते समय डिजिटल वाटरमार्क का उपयोग करना, डिजिटल संचार के लिए कड़े सत्यापन, प्रोटोकॉल स्थापित करना तथा संवेदनशील लेन देन के लिए मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन और कॉल बैक जैसी प्रक्रियाएं अपनाने के दिशा-निर्देश दिये गए हैं। इसके अतिरिक्त डीपफेक सामग्री की पहचान के लिए उन्नत पहचान उपकरण काम में लेने और उनके नियमित अपडेशन का सुझाव दिया गया है।संगठन अपनी डिजीटल फोरेंसिक क्षमताओं को बढ़ाकर तथा संगठन को प्रभावित कर सकने वाली संभावित डीपफेक सामग्री के लिए सोशल मीडिया और सार्वजनिक चैनलों की सक्रिय रूप से निगरानी कर डीपफेक के संभावित खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त संगठनों को एन्क्रिप्टेड संचार का उपयोग करने तथा डीपफेक घटनाओं का जवाब देने के लिए संकट प्रबंधन योजना विकसित करने के लिए जागरूक करने का सुझाव दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सम्मान समारोह 29 को होगा भैसींना में

● **पानी और रोजगार पर होगी चर्चा**

चमकता राजस्थान। भुसावर (राजवीर सिंह)। पानी और रोजगार के मुद्दे को लेकर चल रहे आन्दोंलन के क्रम में रविवार को भुसावर तहसील के ग्राम भैंसीना में होगी किसानों की जनसभा एवं आयोजित होगा सम्मान समारोह ।

किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने जानकारी देते हुऐ बताया कि इआरसीपी - पीकेसी के प्रथम चरण में ही बाणगंगा नदी , गम्भीर और रुपारेल में सिंचाई का पानी लाने और बाणगंगा एवं गम्भीर को आपस में जोड़ने तथा पाँचना बाँध के पानी का बँटबारा करने और वैर के सीता बाँध को बन्ध बारैठा पाइप लाइन स्कीम से जोड़ने एवं बेरोजगार नौजवानों को रोजगार देने के लिये भरतपुर और डीग में प्रदूषण रहित छोटे मोटे उद्योग धन्धे स्थापित करने की माँग को लेकर यह जनसभा होगी ।
किसान नेता इन्दल सिंह ने बताया कि इस किसान सम्मान समारोह में पानी आन्दोलन के लम्बे संघर्ष के लिये किसान भरतपुर के पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन और इन्दल सिंह सहित अन्य किसान नेताओं का भी सम्मान करेंगे। इस कार्यक्रम में ग्राम भैंसेना सहित आसपास के करीब एक दर्जन गाँवों के किसान हिस्सा लेंगे। किसानों की जनसभा में खेती से जुड़ी अन्य समस्याओं पर भी चर्चा होगी ।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर राज्य में 7 दिन के राजकीय शोक की घोषणा

● **राज्य में सात दिन तक राजकीय कार्यक्रम आयोजित नहीं होंगे**

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी) 27 दिसंबर। राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। स्वर्गीय मनमोहन सिंह के सम्मान में राज्य में 26 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी 2025 तक सात दिन के राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा किसी भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा।पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अक्क्टर) में हो गया। भारत सरकार द्वारा स्व. डॉ. मनमोहन सिंह को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। अंतिम संस्कार के दिन सभी राजनयिक मिशनों एवं विदेशों में भी उच्चायोगों में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को यूथ आईकॉन पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा

● **31 दिसम्बर तक लिये जायेगें आनलाइन आवेदन - डा. नीरज कुमार पवन**

चमकता राजस्थान। जयपुर, 26 दिसंबर। राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2024-25 बिन्दु संख्या 67 ''राष्ट्रीय युवा पुरस्कार'' की भांति "Rajasthan Youth Icon Award" की क्रियान्विति हेतु विभिन्न क्षेत्रों उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं की खोज करके चयनित युवाओं को 12 जनवरी, 2025 को युवा आईकॉन पुरस्कार दिया जायेगा।

शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज कुमार पवन ने बताया की राज्य के 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले (कला व संस्कृति, सामाजिक कार्य, विज्ञान संचार एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, षिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, उद्यमिता, महिला सशक्तिकरण तथा स्वच्छता) को ''राजस्थान यूथ आईकॉन अवार्ड'' (नकद राशि, एक मेडल एवं एक प्रमाण-पत्र) से सम्मानित किये जाने हेतु अन्तिम 31 दिसम्बर, 2024 तक राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइड पर पर आनलाईन आवेदन आमंत्रित किया जा रहे है।

माता-पिता के बाद अध्यापक ही शिक्षा व संस्कार प्रदान करते हैं : महापौर कुसुम यादव

चमकता राजस्थान। जयपुर। सेन्ट एस एस पब्लिक स्कूल द्वारा बाल मेले का आयोजन कंवर नगर स्थित झूलेलाल मंदिर के पार्क में किया गया इस मेले में जयपुर की लोकसभा सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, महापौर हेरिटेज कुसुम यादव, पूर्व महापौर एवं भाजपा नेता ज्योति खंडेलवाल, सुभाष चौक थाना इन्चार्ज सुभाष यादव, पार्षद अनिता जैन, पार्षद रजत विश्नोई, पार्षद मो फारुख, भाजपा नेता रवि नय्यर, पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेता सोहनलाल ताम्बी, पूर्व पार्षद सुरेंद्र सिंह रॉबिन, शिक्षाविद रामड़गायच, सुनील जैन, रामस्वरूप तांबी, दैनिक थॉट्स ऑफ़ इंडिया के संपादक अविनाश शर्मा, लेखा विद के संपादक वाचस्पति शर्मा जैसी हस्तियों ने शिरकत की।
इस मेले में बालक बालिकाओं के द्वारा अलग अलग व्यंजनों की स्टाल्स लगाई गई एवं विभिन्न प्रकार के खेल कूद व ज्ञानोपार्जन प्रतियोगिताओ आकर्षित झूले का आयोजन किया गया
इस बाल मेले को मुख्यत तुलसी दिवस के रूप में मनाया गया और पोस्टर का विमोचन किया गया, मेले में विजेताओं को पुरुस्कार भी वितरित किये गए
लोकसभा सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने मेले के उपयोगिता को बताते हुए कहा इससे बच्चो के सर्वांगीण विकास में मदद मिलती है और ऐसे मेलों में आपसी सदभाव की भावना जागृत प्रबल होती है
महापौर श्रीमती कुसुम यादव ने अपने उदबोधन में कहा कि माता के बाद अध्यापक ही बच्चो को शिक्षा व संस्कार प्रदान करते है शिक्षाविद एवं संस्थापक शंभू दयाल गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया
अंत मे विद्यालय के सचिव श्री अजय गुप्ता ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

तस्करों की लक्जरी गाड़ी ने नारकोटिक्स के वाहन को मारी टक्कर !

फायरिंग में एक घायल तो दो अन्य को लगी चोट, फिल्मी स्टाइल में भागे तस्कर !

● **लक्जरी गाड़ी सहित 345 किलो डोडा चूरा जब्त!**

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़! (बाबू अग्नानी) । चित्तौड़गढ़ जिले में उदयपुर सिक्सलेन स्थित नारायणपूरा टोल के पर शुक्रवार तड़के नाकाबंदी के दौरान मादक पदार्थ तस्करों ने नीमच नारकोटिक्स के वाहन को टक्कर मार दी। वहीं बाद में तस्कर फायरिंग करते हुए फिल्मी स्टाइल में मौके से फरार हो गए। करीब आधे से 1 मिनट चले इस घटनाक्रम में फायरिंग में नारकोटिक्स का एक अधिकारी तो तस्करों के वाहन की टक्कर लगने पर दो अधिकारी घायल हुए हैं। घायलों को चिकित्सालय ले जाया गया है। मौके से लाखों रुपए मूल्य का 345 किलो डोडा चुरा बरामद किया है। इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में एक आरोपित की गिरफ्तारी भी हुई है।जानकारी में सामने आया कि मध्यप्रदेश में स्थित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो नीमच की टीम को खुफिया सूचना मिली थी कि गुजरात नंबर प्लेट वाली टोयोटा इनोवा कार में मादक पदार्थ तस्करी होगी। इसमें सवार दो व्यक्ति चित्तौड़गढ़ जिले के मंगलवाड़ क्षेत्र से बाड़मेर (राजस्थान) क्षेत्र के लिए डोडा चूरा के जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर सीबीएन नीमच की टीम का गठन किया गया और उन्हें शुक्रवार सुबह जल्दी रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई। तस्करों के वाहन को चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाईवे पर नारायणपुरा टोल प्लाजा के पास पहचाना गया। वाहन की पहचान होने पर सीबीएन अधिकारियों ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन तस्करों ने रास्ता रोक रही विभागीय गाड़ी से सीधा टक्कर मार दी। सतर्क सीबीएन अधिकारियों ने वाहन को उसके चालक सहित सफलतापूर्वक रोका। वाहन में सवार दूसरे व्यक्ति ने सीबीएन अधिकारियों पर गोली चलाई और फरार हो गया। फायरिंग में एक अधिकारी घायल हो गया और वाहन से टकराव के कारण दो अधिकारी घायल हो गए। सुरक्षा और अन्य व्यावहारिक कारणों से वाहन की तत्काल तलाशी मौके पर लेना संभव नहीं था। इसलिए उसे सीबीएन कार्यालय लाया गया। यहां वाहन की पूरी तलाशी ली गई। इसमें 17 बोरों में भरा कुल 345.940 किलो डोडा चूरा बरामद किया। कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद मौके से जब्त किए डोडा चूरा व वाहन को सीज कर दिया। साथ ही एक व्यक्ति को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में नारकोटिक्स का अग्रिम अनुसंधान जारी है।

वार्ड 18 के उप चुनाव में दिलीप गुर्जर ने कांग्रेस से नामांकन दाखिल किया।

● **कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में भरा फॉर्म।**

चमकता राजस्थान। फुलेरा(दामोदर कुमावत)। नगर पालिका वार्ड 18 के उप चुनाव में दिलीप गुर्जर ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में शुक्रवार को पालिका पहुंचकर रिटर्निंग ऑफिसर सुमन चौधरी को नामांकन पत्र सौंपा। नामांकन से पहले बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने मुख्य बाजार से होते हुए एक रैली के रूप मे नगर पालिका कार्यालय पहुंचे, इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बताया कि दिलीप गुर्जर ईमानदार,सेवाभावी एवं कर्मठ कार्यकर्ता और आमजन से जुड़ा हुआ होने के साथ साथ कांग्रेस पार्टी की विचार धारा के कारण वार्ड 18 के उप चुनाव मैं अपना नामांकन दाखिल किया है।

क्षेत्र में मावठ से किसानो के चेहरे पर दिखाई रौनक

● **कोहरे व बरसात से कस्बे की सड़कों पर लगे ब्रेक**

चमकता राजस्थान। फुलेरा (दामोदरकुमावत)। क्षेत्र में पिछली रात से ही लगातार हो रही मावठ से किसानो के चेहरों रौनक देखने को मिली। मावठ से बोई गयी रबी की फसल, गेहु, जो, चना, सरसो ओर सब्जियो केलिये इस समय की वर्षा अमृत तुल्य मानी जाती है। बरसात जहाँ फसलो के लिये फायदा है वहीं तापमान मे भारी गिरावट हुई है, तथा कोहरा छाया हुआ रहने से इंद्रदेव ने सूर्य देव के घोड़े की लगाम को भी एक बार तो ठहरा दिया। जिससे धरती पर तो हरियाली को बढ़ावा देकर रंगीन से रौनक बना दिया जिससे प्रकृति लुभाने लगने लगी परंतु दूसरी ओर कोहरे के करण जनजीवन को अस्त व्यस्त करते हुए एक जगह रुकने पर मजबूर कर दिया और लोग अल सुबह से ही अलाव जलाकर तप कर राहत महसूस करते नजर आए।

महंत महाराज के अवतरण दिवस पर 5 जनवरी को होगा रक्तदान शिविर

चमकता राजस्थान

फलोदी 27 दिसम्बर। गुरूदेव महंत श्री महेश्वरानन्द गिरी जी महाराज के अवतरण दिवस पर 5 जनवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा । जिसके पोस्टर का विमोचन किया गया । नीलकंठ महादेव, भैरूगिरी जी का मठ (सराय), फलोदी में आयोजित होने वाले इस स्वेच्छिक रक्तदान शिविर को लेकर तैयारियां जोरो पर की जा रही है ।
इस शिविर को लेकर भक्तों में भारी उत्साह नजर आ रहा है। नीलकंठ महादेव, भैरूगिरी जी का मठ (सराय) परिसर में शिवर के पोस्टर का विमोचन किया गया। महंत महेश्वरानन्द गिरी जी महाराज ने कहा कि स्वच्छ व्यक्ति को जीवन में रक्तदान अवशय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से रक्त की व्यक्ति के शरीर में रक्त की कमी नही होती, रक्तदान करके मानवता का अलख जगा देना चाहिए। शिविर के पोस्टर विमोचन के दौरान कई प्रबुद्ध लोग और भक्त उपस्थित रहे।

गर्ग ब्राह्मण समाज की क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज

खेल हमारे जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक : विधायक आक्या

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (बाबू अग्नानी) चित्तौड़गढ़ भारत में क्रिकेट का जुनुन सर चढ़ कर बोलता है। हमारे देश में क्रिकेट की दिवानगी इस कदर है कि मशहूर क्रिकेट खिलाड़ियो को युवा अपना आदर्श मानते है। चित्तौडगढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या शुक्रवार को शहर के इंदिरा गांधी स्टेडियम मे गर्ग ब्राह्मण समाज की क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।संयोजक दिनेश गर्ग ने बताया कि तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उदयपुर सम्भाग से गर्ग समाज की 10 टीमें भाग लेकर अपने खेल कौशल का परिचय देगी। विधायक आक्या ने उदघाटन मेच में खिलाड़ियो से परिचय लिया व बल्लेबाजी कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। उदघाटन मेंच इंदौरा इलेवन व भीलवाड़ा इलेवन के मध्य खेला गया।इस अवसर पर गोपाल गर्ग, विशाल गर्ग, गौरीशंकर गर्ग, कैलाश गर्ग, शोभालाल गर्ग, सुभाष गर्ग, कैलाश गर्ग, कौशल गर्ग सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी व समाजजन उपस्थित थे।

● **खेल हमारे जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायकः आक्या**

विधायक चंद्रभानसिंह आक्या शुक्रवार को ग्राम तुम्बड़िया में अखिल मेवाड़ सुखवाल समाज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए उपस्थित खिलाड़ियो,आयोजको व ग्रामिणो को सम्बोधित कर रहे थे।तुम्बड़िया सरपंच प्रतिनिधी रामप्रसाद सुखवाल ने बताया की अखिल मेवाड़ सुखवाल समाज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के पांचवा चरण के शुभारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय पुष्कर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजमल पाण्डिया, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष इंदिरा सुखवाल, चित्तौड़ जिलाध्यक्ष विष्णु दत्त ओझा व बद्री लाल श्रृंगी कोटा थे। तीन दिवसीय खेलकुद प्रतियोगिता में क्रिकेट कबड्डी और वॉलीबॉल की कुल 70 टीमे भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेगी।उदघाटन अवसर पर राजीव जोशी, तुम्बड़िया सरपंच भेरूलाल सुखवाल, राजु चराणा, राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष सुनील सुखवाल पारलिया, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अंबालाल सुखवाल बनाकिया, मदनलाल जाट, शंभू लाल जाट, मांगीलाल पुरोहित, रामचंद्र सुखवाल, गुलाब सुखवाल, कालू सुखवाल, कान्हा सुखवाल, गोपी लाल सुखवाल, रामपाल सुखवाल, भैरू शंकर सुखवाल, मिट्ठू लाल सुखवाल, मुकेश सुखवाल, सीताराम सुखवाल, पप्पू लाल सुखवाल, मनोहर लाल सुखवाल, अनिल जाट, संजय सुखवाल, रवि सुखवाल, नरेश सुखवाल आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भाविनी श्रद्धांजलि अर्पित की

● **सात दिवसीय शोक की घोषणा, आयोजन नहीं होंगे पार्टी कार्यक्रम**

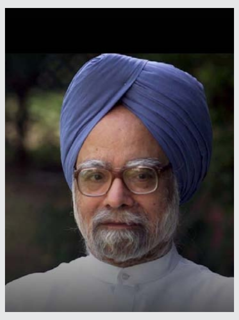

चमकता राजस्थान। फुलेरा (दामोदर कुमावत)। पूर्व प्रधानमंत्री और महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस कार्यालय पर शोक सभा आयोजित की गई जिसमें उपस्थित कांग्रेस जनो ने स्व. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मन मोहन सिंह के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर भाविनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस के शैलेंद्र शर्मा व अन्य पदाधिकारी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉक्टर मनमोहन सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे देश के जाने माने अर्थशास्त्री के साथ भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के बाद भारत के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करते हुए देश के गरीबोंत्थान व पिछड़ों के लिए नीति निर्धारित की हमने एक महान व्यक्तित्व के धनी को खो दिया है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती। श्रद्धांजलि कार्यक्रम सभा के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार कल 28 दिसंबर को आयोजित होने वाला कांग्रेस स्थापना दिवस कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है । देश में सात दिवसीय शोक की घोषणा की गई है,इसी कारण आज आयोजित शोकसभा में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पण किये , इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरचंद सैनी, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, संगठन महामंत्री शैलेंद्र शर्मा, महासचिव दुर्गा सिंहनरूका,उपाध्यक्ष अब्दुल लतीफ कुरैशी, मनोज कुल्हरी, ब्लॉक महामंत्री अलमुद्दीन जोया, जाकिरहुसैन मंसूरी,विमल सोनी आदि उपस्थित रहे।

सबको बीमा 2047 लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिला स्तरीय समिति गठित, पहली बैठक संपन्न

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर, सबको बीमा 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए जिले में एक विशेष जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नागरिकों को बीमा के दायरे में लाया जा सके। जिला स्तरीय बीमा समिति की पहली बैठक जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी. टी. की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि इस अभियान के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे और समाज के कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने बीमा कंपनियों को 'सबको बीमा 2047' अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने जिले में वित्तीय साक्षरता के तहत चलाए जा रहे कार्यक्रमों में बीमा से संबंधित जानकारी और जागरूकता सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम निस्तारण, समय पर फसल कटाई प्रयोगों पर भी गंभीर निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि बीमा योजनाओं के लाभ को जन- जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और बैंक व अन्य विभागों से कार्य योजना बनाकर लाभार्थियों को आसानी से बीमा राशि प्रदान की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बीमा हर व्यक्ति की आर्थिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माध्यम है, और राज्य सरकार की योजना 'सबको बीमा अभियान 2047' के तहत अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। बैठक में अजीत सिंह, सहायक निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, धौलपुर ने अभियान के महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर धीरेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि हब्बल सिंह, असिस्टेन्ट एलडीएम नाहर सिंह, कोषाधिकारी, शाखा प्रभारी यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी बलराम मीना सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर करते हुए जाना डॉ मनमोहन सिंह हैं महान : अनुपम खेर

मुंबई/एजेंसी। 2019 में फिल्म द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर रिलीज हुई। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का किरदार अनुपम खेर ने निभाया था। पूर्व पीएम के निधन पर खेर दुखी हैं। अपना कष्ट उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से साझा किया। उन्हें विनम्र अर्थशास्त्री और ईमानदार व्यक्ति बताया।

साझा किए गए वीडियो में अभिनेता कहते नजर आए, मैं अभी देश से बाहर हूं और मुझे यह दुखद खबर मिली। मैंने उनके जीवन के साथ लगभग डेढ़ साल गुजारा है, जब कोई अभिनेता किसी किरदार को निभाता है तो उस शख्स के बाहरी चीजों को लेकर तो अध्ययन करता ही है, साथ ही वह उस शख्स के अंदर भी झांकता है। मनमोहन सिंह एक कमाल की शख्सियत थे।

खेर ने आगे बताया, मैंने कुछ वजहों से यह फिल्म करने से पहले मना कर दिया था। इसमें राजनीतिक वजह भी शामिल थे। मुझे लगा था कि लोग यह समझेंगे कि मैंने यह फिल्म उनका मजाक उड़ाने के लिए की है ऐसा कुछ लोगों ने कहा भी। मगर अगर मुझे अपनी जिंदगी में 3 या 4 शानदार किरदारों को चुनने के लिए कहा जाए तो उनमें से एक मनमोहन सिंह जी का किरदार होगा।

इस वीडियो संदेश के साथ खेर ने लंबा चौड़ा टेक्स्ट लिखा। जिसमें उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ! फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के लिए एक साल से ज्यादा समय तक उनके जीवन का अध्ययन करने के बाद, मुझे लगा कि मैंने उनके साथ वाकई बहुत समय बिताया है। वह स्वभाव से एक अच्छे इंसान थे। वह पूरी तरह से ईमानदार, महान अर्थशास्त्री और बहुत विनम्र व्यक्ति थे। कुछ लोग कह सकते हैं कि वे एक चतुर राजनीतिज्ञ नहीं थे! उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ओम शांति।

पर्दे पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का किरदार निभाने वाले अभिनेता अनुपम खेर का सोशल मीडिया एक पुराना वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने इस किरदार से जुड़ी चुनौतियों का जिक्र किया था।

पुलिस थाना शास्त्रीनगर की बड़ी कार्यवाही, जबरन वसूली के आरोपी एच.एस.शाहरुख को किया गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ कुल मारपीट चोरी छेडछाड एव अवैध हथियार रखने के कुल 10 प्रकरण है दर्ज

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राशि डोगरा डुडी पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर ने बताया की दिनांक 27.08.2024 को परिवादी मोहम्मद वसीम पुत्र शफी मोहम्मद उम्र 34 साल जाति मुसलमान निवासी म.न. 289 मदीना मस्जिद की गली नाहरी का नाका शास्त्रीनगर जयपुर ने उपस्थित होकर एक रिपोर्ट पेश की कि शाहरुख कुरैशी, सलमान कुरैशी, इमरान कुरैशी ने मेरे 10000 रुपये मांगे और नही देने पर मेरे को डरा धमकाकर मेरे जेब 5000 रुपये निकालकर ले गये, मेरे से अब तक 3 लाख रुपये रुपये वसुल चुके व फोन करके 2

लाख रुपये की और मांग कर रहे है एव किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर गये है। आदि रिपोर्ट पर मु.न. 387/2024 धारा 308(2), 61(2) (ए) बीएनएस में दर्ज कर तफ्तीश शुरु की गई।घटना की गंभीरता एव शहर मे हो रही फिरौती एव धमकी जैसी वारदातो को देखते हुये बजरंग सिहं अति. पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर के सुपरविजन मे शिवरतन गोदारा सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्रीनगर के निर्देशन मे दिलीप खदाव पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना शास्त्रीनगर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

● **कार्यवाही विवरण:-**

गठित टीम द्वारा घटनास्थल का नजरी निरीक्षण कर घटना स्थल केआसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज चैक किये गये मुल्जिम घटना के दिन से ही अपनी घर एव अन्य संभावित स्थानो से फरार हो गया। विशेष टीम द्वारा मुखबीर द्वारा दी गई सुचना के आधार पर मुल्जिम मोहम्मद शाहरुख कुरैशी की मालपुरा देवली (टोंक) केशवरायपाटन हिण्डोली (बुंदी) झालावाड कोटा में तलाश की जाकर अंतत गुमानपुरा कोटा शहर से रहवाशी मकान से मुल्जिम मोहम्मद शाहरुख कुरैशी पुत्र गुलाब कुरैशी जाति कुरैशी मुसलमान उम्र 31 साल निवासी 152 सुदामापुरी नाहारी का नाका पुलिस थाना शास्त्रीनगर जयपुर को गिरफ्तार किया गया।मुल्जिम घटना के वक्त से ही अपने मशकन से रुपहोश चल रह था एवं अलग अलग जगहो पर फरारी काट रहा था। मुल्जिम थाने का एच. एस. जिसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानो मे चोरी, मारपीट, लडाई झगडे, तोडफोड, वसुली, छेडछाड और अवैध रखने के कुल 10 प्रकरण दर्ज है। मुल्जिम को रिमाण्ड पर लिया जाकर गहन अनुसंधान किया जाकर अन्य वारदातो का पता लगाया जावेगा। अन्य मुल्जिमान इमरान कुरैशी एव सलमान कुरैशी की तलाश जारी है।

● **गठित पुलिस टीम:-**

दिलीप खदाव पु.नि. थानाधिकारी बलवान सिंह सउनिरोहिताश कानि. 6053 राकेश कानि.4174 एवं टीम

दलित महिलाओं का क्षमतावर्धन शिविर संपन्न

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)। दलित अधिकार केंद्र के तत्वाधान में होटल प्रताप वाटिका में जेंडर संवेदीकरण एवं सुरक्षात्मक नीतियों पर एक दिवसीय कार्यकर्ता क्षमतावर्धन शिविर का समापन शिविर में केंद्र के जिला समन्वयक लालाराम भड़ाना ने केंद्र का परिचय देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि दलित अधिकार केंद्र राजस्थान में पिछले 20 वर्षों से दलित व महिलाओं के हितों में प्रयास कर रहा है राज्यसमानव बाइक कश्मीरा सिंह ने राजस्थान में भारतीय संविधान व विभिन्न महिला कानून महिला अधिकारों तथा महिलाएं आर्थिक रूप से किस प्रकार सशक्त हो सकती है काफी विस्तार रूप से बताया और बहुत ही मजबूती से महिला अधिकारों की परोपकारी की तथा क्षमता वर्धन का अर्थ बताते हुए

कहा कि दलित महिलाओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं में नए विचारों व जानकारी एवं ऊर्जा का संचार करना ही क्षमतावर्धन कहलाता है एडवोकेट विजय सिंह ने बताया कि महिलाओं में लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए यह हमें समझना होगा कि नारी के बगैर देश का विकास अधूरा है जेंडर संवेदीकरण एवं सुरक्षात्मक नीतियों पर बोलते हुए एडवोकेट सूजन आर्य जी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में हमारे समाज की महिलाओं को बढ़-कर कर भाग लेना चाहिए और उनके हितों में बने कानून अधिकारों की जानकारी होगी तभी हमारे समाज की महिलाएं अग्रसर हो पाएगी तेजपाल वर्मा ने कहा कि दलित अधिकार केंद्र काफी समय से समाज को जागरूक करने का काम कर रहा है और निरंतर आगे भी करता रहेगा लेकिन हम सभी समाज के महिला पुरुषों को कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा ताकि समाज प्रगति के रास्ते पर जल्दी से जल्दी आ सके एडवोकेट प्रभा कुमारी ने कहा कि मुझे आज बहुत अच्छा लगा तथा मुझे मंच पर बोलने का मौका पहली बार मिला है उक्त शिवर के समापन पर महिला कार्यकर्ता ईश्वर दही ने सभी महिलाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं इस तरह के आयोजन करने के लिए भी कहा कि अधिक से अधिक ऐसे आयोजन होते रहे तो हमारे समाज की महिलाएं जागरूक हो और अपने हक अधिकारों के लिए बराबरी की लड़ाई लड़े शिविर में लगभग 75 महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा तीन दिवसीय हरि कथा का आयोजन, शिष्या विदुषी मदालसा भारती ने गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा सर्व श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से सचिन पैलेस, संत नगर रोड, बाड़ी में तीन दिवसीय हरि कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के दूसरे दिवस पर सर्व श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या विदुषी मदालसा भारती ने भगवान को याद करने का महत्व बताते हुए कहा कि ॠयाद है तो आबाद हैॠ, क्योंकि ईश्वर के लिए आपकी समस्याओं का हल करना बहुत ही आसान है। इसलिए हर मानव को ईश्वर से जुड़ना चाहिए, और यह तब संभव होता है जब कोई मानव सत्संग का संग करता है। साध्वी विदुषी मदालसा भारती ने गुरु की महिमा को बताते हुए कहा कि जब एक मानव के जीवन में पूर्ण गुरु आते हैं, तो वे भगवान के शाश्वत रूप का दर्शन कराते हैं। जैसे भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से श्रीमद्भगवद् गीता में कहा था, ॠदिव्य ददामि ते चक्षुॠ अर्थात ॠमैं तुम्हें दिव्य दृष्टि देता हूँॠ, उसी प्रकार श्रीराम चरितमानस में भी पूर्ण गुरु की पहचान दी गई है। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी भी अपने शिष्य को ज्ञान के समय ही ईश्वर के शाश्वत रूप का दर्शन करवा देते हैं। साध्वी ने भक्तिमति मीरा का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले मीरा श्री कृष्ण उपासना करती थीं, और प्रभु प्रेम में विवश होकर आ जाते थे। एक दिन भगवान श्री कृष्ण ने मीरा से कहा कि यदि तुम्हें मेरी शाश्वत भक्ति करनी है तो पहले मेरे शाश्वत रूप का दर्शन करो। इसके बाद मीरा जी का संग उनके पूर्ण गुरु रविदास जी से हुआ, और उन्होंने गाया, ॠपायो जी मैंने राम रतन पायो।ॠ जो पहले कृष्ण के प्रेम में रंगी हुई थीं, वे अब राम के प्रेम में लीन हो गईं। इससे यह सिद्ध होता है कि ईश्वर तो हर एक के भीतर ही है, बस एक परफेक्ट मास्टर (पूर्ण गुरु) की आवश्यकता होती है। अतः कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी पापी क्यों न हो, पूर्ण गुरु की शरण में जाकर अपना जीवन सफल और प्रेरणादायक बना सकता है।

पर्यटकों से गुलजार शिमला, पिछले 48 घंटों में करीब एक लाख पर्यटक पहुंचे

शिमला/एजेंसी। पहाड़ों की रानी शिमला इस समय पर्यटकों से गुलजार है। इसका सबसे बड़ा कारण हाल ही में यहां हुई बर्फबारी और शिमला नगर निगम प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया विंटर कार्निवल है। हालांकि, इसे अब 1 जनवरी तक स्थगित कर दिया गया है। पर्यटकों में शिमला आने का उत्साह इस बात से स्पष्ट होता है कि पिछले 48 घंटों में शिमला में करीब 60 हजार वाहन पहुंचे हैं, जिनमें से अधिकांश वाहन पर्यटकों के ही हैं। कुल मिलाकर लगभग 1 लाख पर्यटक शिमला पहुंचे हैं।

हाल ही में हुई बर्फबारी की वजह से शिमला का ऊपरी क्षेत्र पूरी तरह से कट चुका था। प्रशासन की ओर से सड×कों को बहाल करने का काम अभी भी जारी है। मौसम विभाग ने बर्फबारी को लेकर फिर से अलर्ट जारी किया है। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक सुरक्षा और क्राउड मैनेजमेंट को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष योजना बनाई है, ताकि पर्यटकों को शिमला पहुंचने पर किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि नए साल के जश्न को लेकर शिमला जिले के उपयुक्त के साथ एक बैठक हो चुकी है, जिसमें पुलिस प्रशासन और सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि नए साल का जश्न मनाने शिमला आने वाले पर्यटकों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रेलवे अप-डाऊनर्स प्रोगेसिव वेलफेयर एसोसिएशन डीआरयूसीसी की बैठक हुई सम्पन्न

चमकता राजस्थान /रमेश मोदी

रतलाम/इंदौर। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल परिक्षेत्र में रेल यात्रियों कि सुविधा में बेहतरी लाने के लिए नवगठित मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक सोमवार को डीआरएम कार्यालय सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीआरएम रतलाम रजनीश कुमार, सीनियर डीसीएम हीना केवलरामानी ने रेलवे मे चल रहें विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं बढ़ोतरी के लिए हो रहे कामों से अवगत कराया।

रतलाम, उज्जैन, झालावाड़, कोटा जिले के रेल यात्रियों, डेली यात्रा करने वाले अप-डाऊनर्स कि मांग उठाते हुए रेलवे अप-डाऊनर्स प्रोगेसिव

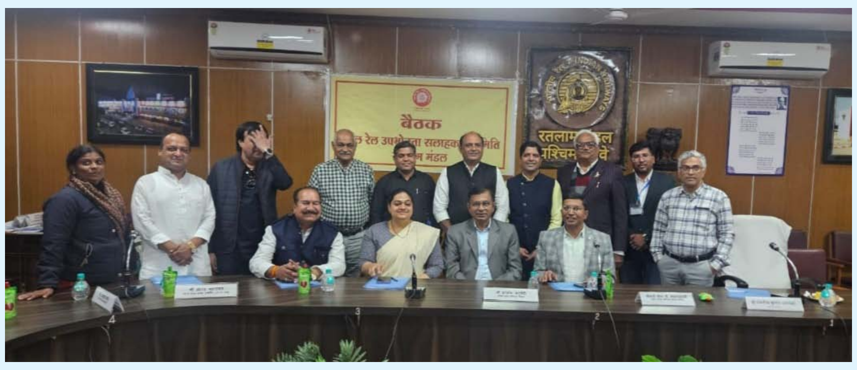

वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश सैन के निर्देश पर एसोसिएशन कि ओर से संभागीय अध्यक्ष पंकज सोनी ने मीटिंग में प्रतिनिधित्व किया ओर बताया कि प्रतिदिन भिखारियों, किन्नरों द्वारा अवैध वसूली, गंदी गालियां देकर महिलाओं, यात्रियों को परेशान किया जा रहा है, ट्रेनों कि स्वच्छता मे सुधार लाने, छोटे शहरों कि कनेक्टिविटी के लिए उज्जैन से कोटा, इंदौर से कोटा, रतलाम से कोटा के मध्य इंटरसिटी शुरू करने, खाटूश्यामजी के भक्तों कि लोकप्रिय कोटा-सिरसा एक्सप्रेस को आलोट, नागदा होकर इंदौर तक चलाने, कोटा नागदा मेमू को नागदा बीना एक्सप्रेस से लिंक देने, कोटा से नागदा के मध्य शाम के समय पेसेंजर ट्रेन चलाने, बायोटायलेट को स्टेशनों पर लगाने, जनरल टिकट खिड़की पर आटोमेटिक वेंडिंग मशीन लगाने, अधिक से अधिक मेमू ट्रेन चलाने जैसी अतिआवशयक यात्रियों से जुड़ी मांगों को प्रमुखता से बैठक में रखा।

जिस पर रतलाम मंडल के डीआरएम ओर संबंधित अधिकारियों ने संभागीय अध्यक्ष पंकज सोनी को यथोचित कार्यवाही कर यात्री हित में उचित सुविधाएं देने हेतु आश्वस्त किया।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी व उर्से ख्वाजा गरीब नवाज का होगा भव्य आयोजन

4 जनवरी को जयपुर में जुटेंगे देशभर के इस्लामी विद्वान, विषय विशेषज्ञ देंगे व्याख्यान

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । सुन्नी दावते इस्लामी (एसडीआई) की ओर से देहली बाईपास स्थित ईदगाह रोड पर 4 जनवरी 2025 को 1500वां जश्ने ईद मिलादुन्नबी व 813वां उर्से ख्वाजा गरीब नवाज मनाया जाएगा। शाम 7 बजे मगरिब की नमाज के बाद से रात 12 बजे तक जश्ने गरीब नवाज मनाया जाएगा। जिसमें देशभर से इस्लामी विद्वान आएंगे। साथ ही विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। मुख्य अतिथि सुन्नी दावते इस्लामी (मुम्बई) के अमीर हजरत मौलाना मुहम्मद शाकिर अली नूरी ख्वाजा गरीब नवाज की जीवनी पर प्रकाश डालेंगे। वहीं मुख्य वक्ता अल्हाज मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी किब्ला (मालेगांव) इस्लाम की प्राथमिक व नैतिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार तथा आधुनिक शिक्षा के लिए जागरुकता पर व्याख्यान देंगे। अलहाज कारी मुहम्मद रिजवान खान (मुंबई) हम्द नातों मंकबत पेश करेंगे।आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी (जयपुर) हिंदुस्तान सूफी विचार धाराओं औलिया अल्लाह ×ख्वाजा गरीब नवाज के मानने वालों का है। इसमें सूफी विचार व औलिया अल्लाह की सुफिज्म शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। नौजवानों को समाज सेवा के कामों के लिए बैदार करना, मुल्क और कौम की तरक्की व खुशहाली के लिए हर संभव प्रयास करना विषय पर उपस्थितजनों को संबोधित करेंगे। इज्तिमे की सदारत मुफ्ती-ए-शहर जयपुर हजरत मौलाना मुफ्ती अब्दुस्सतार रजवी करेंगे। इज्तिमे का समापन सलातो सलाम व खुसूसी जिक्र दुआ के साथ होगा।

● **छात्र-छात्राओं का होगा विशेष सत्र**

टीम एसडीआईउम्मीद का एक विशेष सत्र स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए 4 जनवरी को दोपहर 3 से शाम 5:30 बजे तक आयोजित होगा। जिसमें छात्र-छात्राओं को बताया जाएगा कि बोर्ड परीक्षा के बाद कौनसा विकल्प चुने, उन्हें किस फील्ड मे जाना चाहिए, जिससे उनका भविष्य रोशन हो सके। इस सेशन में 3 टॉपिक अपनी क्षमता को उजागर करें और बेहतर भविष्य का निर्माण करें, पढ़ाई और बोर्ड परीक्षा के लिए समय कौशल प्रबंधन और कम्फर्ट जोन को कम करने के लिए ब्रेन हैक्स के टिप्स रखा गया है। इस सेशन का प्रशिक्षण देने के लिए मुंबई से विषय विशेषज्ञ मुहम्मद इस्माइल व मुहम्मद निजामुद्दीन आएंगे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया है। संघ ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक्स हैंडल पर शोक संदेश जारी किया है। इसमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले को उद्धृत करते हुए लिखा गया, 'भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और देश के वरिष्ठ नेता डॉ. सरदार मनमोहन सिंह के निधन से पूरा देश बेहद दुखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके परिवार और अनगिनत प्रियजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।' संघ ने शोक संदेश में कहा, 'डॉ. मनमोहन सिंह ने साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह का भारत के लिए योगदान हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।'

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। सीतारमण ने अपने शोक संदेश के साथ डॉ. सिंह की एक फोटो भी साझा किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'एक्स' पोस्ट पर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताते हुए लिखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नहीं रहे। उन्होंने आरबीआई के गवर्नर और भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया था। 1991 का मील का पत्थर बजट पेश किया, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाया। वे सभी के सम्मानित, मृदुभाषी और सौम्य थे। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना।

मनमोहन सिंह के निधन पर कई देशों के नेताओं ने शोक जताया

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर विश्व के कई देशों के नेताओं ने गहरा शोक जताया है। अमेरिका, कनाडा, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, अफगानिस्तान सहित पड़ोसी देशों के नेताओं ने सिंह को याद किया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सिंह के निधन पर भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधानमंत्री का नेतृत्व अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत में डॉ. सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने शोक संदेश में कहा कि वह असाधारण बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और ज्ञान के धनी थे। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सिंह के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार और भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा कि सिंह के निधन की खबर से दुख हुआ। वह मालदीव के अच्छे मित्र और उनके लिए पिता तुल्य थे। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने डॉ. सिंह को एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और भारत के आर्थिक उदारीकरण का निमार्ता बताया। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा कि भारत ने अपने सबसे शानदार बेटों में से एक को खो दिया। डॉ. सिंह अफगानिस्तान के अटूट सहयोगी और मित्र रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन में शनिवार को रस्मी गार्डों की अदला-बदली समारोह नहीं होगा

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर घोषित राष्ट्रीय शोक के कारण शनिवार को राष्ट्रपति भवन में रस्मी गार्डों की अदला-बदली (चेंज ऑफ गार्ड) का समारोह नहीं होगा। आमतौर पर राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में प्रत्येक शनिवार को यह समारोह आयोजित होता है। राष्ट्रपति भवन की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय शोक के कारण राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड समारोह कल (28 दिसंबर) नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि गार्ड परिवर्तन समारोह एक सैन्य परंपरा है जो प्रत्येक सप्ताह आयोजित की जाती है ताकि राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के एक नए समूह को कार्यभार संभालने का अवसर मिल सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओसामु सुजुकी के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ सलाहकार व मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ओसामु सुजुकी के साथ अपनी पुरानी तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए एक पोस्ट में लिखा, 'मैं सुजुकी के साथ अपनी कई मुलाकातों की यादें संजोकर रखता हूं और उनके व्यावहारिक और विनम्र दृष्टिकोण की दिल से प्रशंसा करता हूं। उन्होंने कड़ी मेहनत, बारीकियों पर सावधानीपूर्वक ध्यान और गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण पेश करते हुए उदाहरण पेश किया। उनके परिवार, सहकर्मियों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना।' उल्लेखनीय है कि ओसामु सुजुकी का 25 दिसंबर को घातक लिम्फोमा से निधन हो गया था। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। वह 94 वर्ष के थे। ओसामु सुजुकी ने चार दशकों से अधिक समय तक जापान की सुजुकी मोटर का नेतृत्व किया।

इतिहास विनम्रता, अथाह ज्ञान के लिए मनमोहन को हमेशा रखेगा याद : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि इतिहास मेंनयी दिल्ली, को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा में उनकी प्रतिबद्धता, अथाह ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को अपने अधिकारिक एक्स पेज पर ट्वीट किया और कहा 'डॉ सिंह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में और फिर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा।'

पार्टी ने कहा 'अपने शांत लेकिन असरदार नेतृत्व के लिए विख्यात, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने देश के कल्याण के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में डॉ. सिंह के फैसले भारतीय समाज के हर पहलू पर गहराई से छाप छोड़ गए हैं।'

कांग्रेस ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा 'राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है। एक राजनेता, एक विद्वान, एक नेता, एक दूरदर्शी - भारत के सबसे गौरवान्वित पुत्रों में से एक... आपका जाना बेहद दुखद है, आपकी बहुत याद आएगी।

कांग्रेस पार्टी ने सात दिनों के लिए सभी कार्यक्रम रद्द किए

मैंने एक मार्गदर्शक खो दिया : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के सम्मान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिनों के लिए रद्द कर दिए गए हैं। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी दी। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इस दौरान रद्द किए जाने वाले कार्यक्रमों में सभी आंदोलनात्मक और आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 83 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।

कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि डॉ मनमोहन सिंह के सम्मान में कांग्रेस ने शुक्रवार को कर्नाटक के बेलगाम में अपनी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली' रद्द कर दी है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कल डॉ मनमोहन सिंह की याद में एक शोक सभा आयोजित करेगी।

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, 'मैंने एक मार्गदर्शक खो दिया। हममें से लाखों लोग जो उनके प्रशंसक थे, उन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद करेंगे। मनमोहन सिंह जी ने बहुत ही बुद्धिमत्ता और ईमानदारी के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया। श्रीमती कौर और उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।'

कैबिनेट ने डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव पारित किया। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। मंत्रिमंडल की बैठक में रखे शोक प्रस्ताव के अनुसार देश में 01.01.2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस शोक अवधि के दौरान, पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। सात दिनों के लिए विदेश में सभी भारतीय मिशनों/उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। डॉ. मनमोहन सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के दिन, सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों और सीपीएसयू में आधे दिन का अवकाश घोषित किया जाएगा। इसके साथ बैठक में संकल्प भी रखा गया जिसमें कहा गया 'मंत्रिमंडल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 26 दिसंबर, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में हुए दुखद निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। प्रस्ताव में कहा गया कि मनमोहन सिंह ने हमारे राष्ट्रीय जीवन पर अपनी छाप छोड़ी है। उनके निधन से राष्ट्र ने एक प्रख्यात राजनेता, प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक प्रतिष्ठित नेता खो दिया है। मंत्रिमंडल सरकार और पूरे देश की ओर से शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।"

आर्थिक सुधारों में मनमोहन सिंह ने छोड़ी अमिट छाप : संजय मल्होत्रा

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी मनमोहन के निधन पर शोक जताया।

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने शुक्रवार को मनमोहन को श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पोस्ट पर लिखा है कि, 'मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर बहुत दुखी हूं, जो एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर थे। भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता के रूप में उनके योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है। @आरबीआई इस बड़ी क्षति पर शोक व्यक्त करने में राष्ट्र के साथ है।'

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। रघुराम राजन ने उन्हें एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री करार दिया, जिनके पास भारत की संभावनाओं के बारे में दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ-साथ राजनीतिक व्यवहार्यता की अच्छी समझ भी थी।

मनमोहन सिंह के निधन से आर्थिक सुधारों के एक युग का अंत हो गया : शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अर्थशास्त्र के विद्वान, आर्थिक सुधारों के महानायक मनमोहन जी मौन हो गए, उनके जाने से आर्थिक सुधारों के एक युग का अंत हो गया। उनके आर्थिक सुधारों ने देश के विकास को नई दिशा और गति दी थी।

उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए भगवान से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिजनों एवं संपूर्ण देश को यह दुख सहन करने की क्षमता देने की प्रार्थना की।

शिवराज सिंह ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि डॉ. सिंह जब प्रधानमंत्री थे, तो उन्हें मुख्यमंत्री के नाते उनके सान्निध्य में रहने का सौभाग्य मिला था। एक बार मध्य प्रदेश में पाले, शीतलहर के कारण फसलों का व्यापक नुकसान हो गया था। जब केंद्र सरकार से किसानों की सहायता करने का आग्रह किया गया तब उधर से कह दिया गया कि पाला तो प्राकृतिक आपदा में आता ही नहीं है, इसलिए कोई राहत की राशि नहीं मिलेगी।

उस समय मन बेचैन हो गया और किसानों के साथ बैठ गया था। तब मनमोहन जी का फोन आया कि कभी आपकी हुकूमत भी आ सकती है। उन्होंने दिल्ली बुलाया और बात करते हुए किसानों की समस्या का हल निकाला। उन्होंने बताया कि मनमोहन जी ने एक कमेटी बनाई जिसमें पाला प्राकृतिक आपदा है या नहीं यह तय किया जाना था। इसके लिए कमेटी में प्रणब मुखर्जी, शरद पवार और पी. चिदंबरम के साथ उन्होंने मुझे भी रखा और बाद में उस कमेटी ने साइंटिफिक आकलन करके यह कहा कि पाला भी प्राकृतिक आपदा है। उसके बाद किसानों के लिए मध्य प्रदेश को 400 करोड रुपये की आर्थिक सहायता मनमोहन सरकार ने दी थी। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह जायज बात को सुनते थे और समस्या होती थी तो उसका समाधान करते थे।

हिमाचल प्रदेश में फिर से बर्फबारी शुरू, 101 सड़कें बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। राज्य की पर्वत श्रंखलाओं पर बीती रात से हिमपात हो रहा है। वहीं राजधानी शिमला से सटे पर्यटन स्थल कुफरी में शुक्रव सुबह से बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है, जिससे पर्यटकों का आनंद दोगुना हो गया है। शिमला शहर और मनाली जैसे हिल्स स्टेशनों में घने बादल छाए हैं और मौसम बर्फबारी के अनुकूल बना हुआ है। राज्य के मैदानी हिस्सों में कुछ जगह हल्की वर्षा हो रही है।

राज्य के पहाड़ी इलाकों में दिसम्बर में यह सीजन की तीसरी बर्फबारी हो रही है। इससे पहले आठ दिसम्बर और 23-24 दिसम्बर को भी बर्फबारी हुई थी। बर्फबारी का यह सिलसिला पर्वतीय इलाकों में खास तौर पर शिमला, कुल्लू, लाहौल स्पीति, किन्नौर, मंडी और चम्बा जिलों के ऊपरी इलाकों में देखा जा रहा है। इन क्षेत्रों में पिछली बर्फबारी के कारण कई सड़कें अवरुद्ध होने से परिवहन व्यवस्था चरमरा गई थी।

हिमाचल प्रदेश में बिगड़े मौसम के कारण पर्यटन क्षेत्र में रौनक देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। इसके मुताबिक 27, 28 और 29 दिसम्बर को राज्य के कई क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। वहीं 30 और 31 दिसम्बर को मौसम साफ रहने की संभावना है। नए साल के पहले सप्ताह में यानी पहली और दो जनवरी को फिर से बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान के चलते राज्य में बर्फबारी की चाह में पर्यटकों की तादाद में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मौसम में आये इस बदलाव से समूचे प्रदेश में शीतलहर तेज हो गई है। राज्य के पांच शहरों का पारा शुक्रवार को माइनस में दर्ज किया गया। इनमें लाहौल-स्पीति के ताबो में -11 डिग्री, कुकुमसेरी में -7.2 डिग्री, समधो में -6.5 डिग्री, केलंग में -6.4 डिग्री और कल्पा में -1.1 डिग्री शामिल हैं। इसके अलावा मनाली में 0.2 डिग्री, सराहन में 0.3 डिग्री, भुंतर में 1.1 डिग्री, भरमौर में 1.5 डिग्री, नारकण्डा में 1.6 डिग्री, रिकांगपिओ में 1.8 डिग्री, सियोबाग में 2.5 डिग्री, कुफरी में 3 डिग्री सुंदरनगर में 3.1 डिग्री व शिमला में 5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

बर्फबारी से तीन एनएच और 101 सड़कें बंद

इस बीच पिछले दिनों हुई बर्फबारी से अवरुद्ध कई सड़कें अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक राज्य भर में शुक्रवार सुबह तक तीन नेशनल हाइवे और 101 सड़कों पर यातायात पूरी तरह से अवरुद्ध है। कुल्लू जिला में एनएच-3 और एनएच-305 जबकि लाहौल स्पीति में एनएच-505 बाधित है। ये हाइवे और सड़कें पिछले पांच दिनों से बंद हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 सड़क शिमला जिला के ऊपरी क्षेत्रों कोटखाई, जुब्बल, रोहड़ू, रामपुर, चौपाल, कुपवी, कुमारसेन और डोडरा क्वार उपमंडलों की शामिल हैं। हालांकि शिमला जिला मुख्यालय से रोहड़ू, रामपुर और चौपाल को जाने वाली मुख्य सड़कों को बहाल कर दिया गया है। अब फिर से हो रही बर्फबारी से ऊपरी शिमला की सड़कें फिर ठप हो सकती हैं।

हादसा यमन जा रहा भारतीय जहाज अरब सागर में डूबा

भारतीय तटरक्षक बल ने नौ लोगों को बचाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने उत्तरी अरब सागर में डूब रहे भारतीय पोत एमएसवी 'ताज धारे हरम' के चालक दल के नौ सदस्यों को बचा लिया है। खास बात यह रही कि इस खोज और बचाव मिशन में भारतीय तटरक्षक बल के साथ पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी (एमएसए) ने सहयोग किया। दोनों देशों के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) ने भी पूरे ऑपरेशन के दौरान निरंतर संवाद बनाए रखा। बचाए गए चालक दल को गुजरात के पोरबंदर तट पर लाया गया है।

दरअसल, गुजरात के मुंद्रा से रवाना होकर यमन के सोकोत्रा की ओर जाने वाला यह जहाज 26 दिसंबर को समुद्र की लहरों और बाढ़ की वजह से पाकिस्तान के खोज और बचाव क्षेत्र में बुरी तरह प्रभावित हुआ। नियमित निगरानी उड़ान के दौरान आईसीजी डोर्नियर विमान को इस संकट की जानकारी मिली, जिसके बाद मुंबई और गांधीनगर के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने आईसीजी क्षेत्रीय मुख्यालय (उत्तर पश्चिम) को तुरंत सतर्क कर दिया।

उत्तरी अरब सागर में पहले से ही गश्त कर रहे आईसीजीएस शूर को घटनास्थल पर तेज रफ्तार से बताए गए स्थान के लिए रवाना किया गया। इसके साथ ही क्षेत्र में नाविकों को सतर्क करने के लिए पाकिस्तान के एमआरसीसी से भी संपर्क करके तुरंत सहायता देने का आग्रह किया गया। गहन खोज के बाद चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचाकर एक लाइफ राफ्ट (जीवन रक्षक बेड़े) पर लाया गया, जो जहाज को छोड़कर शरण ले रहे थे।

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने उत्तरी अरब सागर में डूबे भारतीय जहाज 'ताज धारे हरम' के नौ भारतीय चालक दल के सदस्यों को गुजरात के पोरबंदर से लगभग 311 किलोमीटर पश्चिम में सफलतापूर्वक बचा लिया। चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में चलाए गए खोज और बचाव मिशन ने मुंबई और कराची, पाकिस्तान के समुद्री बचाव समन्वय केंद्रों (एमआरसीसी) के बीच असाधारण सहयोग को प्रदर्शित किया। यह बचाव अभियान जहाज के पूरी तरह डूबने से पहले शाम करीब 4 बजे पूरा हुआ। सभी चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित रूप से आईसीजीएस शूर पर लाया गया, जहां उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और उन्हें स्वस्थ घोषित किया गया। बचाए गए चालक दल को गुजरात के पोरबंदर तट पर लाया गया है।

पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने खोज और बचाव मिशन में दिया पूरा सहयोग

के अन्नामलाई ने डीएमके सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, खुद को मारे कोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु की अन्ना यूनिवर्सिटी में हुई घटना से वहां की राजनीति गरमा गई है। यहां एक इंजिनियरिंग छात्रा का यौन उत्पीड़न किया गया। तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को डीएमके सरकार के खिलाफ विरोध जताते हुए कोयंबटूर स्थित अपने आवास के बाहर खुद को कोड़े मारे। अन्नामलाई ने डीएमके सरकार पर आरोप लगाया कि चेन्नई में अन्ना यूनिवर्सिटी के छात्राओं की सुरक्षा करने में राज्य सरकार विफल रही है। अन्नामलाई ने 48 दिनों तक उपवास करने की शपथ भी ली। इसके साथ उन्होंने कसम खाई कि जब तक डीएमके सत्ता से बाहर नहीं हो जाती, तब तक वे जूते नहीं पहनेंगे। राज्य के बिगड़ते शासन के बारे में 'मुरुगन से शिकायत' करने के लिए छह अरुपदाई वीडू (भगवान मुरुगा के छह निवास) जाने की योजना की घोषणा की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए विश्वविद्यालय में सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर सरकार की आलोचना की और महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्भया फंड के राज्य द्वारा उपयोग पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एफआईआर में पीड़िता की पहचान उजागर कर दी गई है और उसे गलत तरीके से पेश किया है, यह शर्मनाक है।

संक्षिप्त खबरें

अटल अजीत टी–20 नेशनल दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारी, शुरुआत 29 से

वाराणसी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पद्मश्री अजीत वाडेकर के स्मृति में वाराणसी में अटल–अजीत टी–20 नेशनल दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। उत्तर प्रदेश दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन की पहल पर यह प्रतियोगिता रेवड़ीतालाब स्थित जयनारायण इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 29 और 30 दिसम्बर को खेली जाएगी। दो दिवसीय प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के दिव्यांग खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में कुल चार मैच खेले जाएंगे। इसमें तीन लीग मैच और एक फाइनल मैच होगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय चौरसिया, ऑल इंडिया दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर उत्तम ओझा ने यह जानकारी दी। डॉ. ओझा ने बताया कि प्रतियोगिता की पूरी तैयारी हो चुकी है। इसके लिए खिलाड़ियों के नामों की भी घोषणा हो गई है। प्रतियोगिता के अतिथि उद्यमी केशव जालान, अनिल शास्त्री, स्वामी कृपानंद महाराज एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अर्चक पं. श्रीकांत मिश्र होंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए दिव्यांग खेलों को बढ़ावा देने के लिए यह प्रतियोगिता काशी में हो रही है। इसमें भाग लेने वाली तीनों टीम 28 दिसंबर शनिवार तक वाराणसी पहुंच जाएंगी।

एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 : भारत ने जीते 33 पदक

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने दोहा में 2024 एशियाई युवा (लड़के और लड़कियों) भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन +87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर शानदार तरीके से किया। मैबाम मार्टिना देवी ने +87 किलोग्राम भार वर्ग में समापन दिवस पर एक कांस्य और दो रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम भार वर्ग में 135 किलोग्राम भार उठाकर नया एशियाई युवा रिकॉर्ड बनाने वाली ज्योशना सबर को 1000 रॉबी अंकों के साथ युवा लड़कियों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक चुना गया। इस आयोजन के दौरान जूनियर महिला और युवा लड़कियों की भारतीय टीम ने तीसरे स्थान की टीम ट्रॉफी जीती। इस आयोजन के दौरान कुल मिलाकर भारतीय युवा और जूनियर टीम ने सात स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक के साथ 33 मूल्यवान पदक जीते।

अफ्रीका में खो-खो का बढ़ता प्रभाव

नयी दिल्ली। खो-खो, एक पारंपरिक भारतीय खेल है, जो अब दक्षिण अफ्रीका, केन्या, युगांडा और घाना सहित दस से अधिक अफ्रीकी देशों में लोकप्रिय हो रहा है। यह खेल न केवल सामुदायिक एकीकरण को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि पूरे महाद्वीप में युवा एथलीटों को भी प्रेरित कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने खो-खो को 1,300 से ज्यादा स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करके इसे लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस खेल की औपचारिक यात्रा 2003 में पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप के साथ शुरू हुई थी। सभी नौ प्रांतों में इसे अपनाए जाने से इसकी बढ़ती लोकप्रियता उजागर होती है।

भारतीम महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हराया, तीन मैचों की श्रृंखला में किया क्लीन स्विप

दीप्ति शर्मा ने झटके 4 विकेट रेणुका को मिली 4 सफलता

भारत ने पहला वनडे मैच 211 रन और दूसरा 115 रन से जीता था

एजेंसी

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। वेस्टइंडीज की इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन पर सिमट गई, जवाब में भारतीय टीम ने 28.2 ओवर में 5 विकेट पर 167 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। भारत ने पहला वनडे मैच 211 रन और दूसरा 115 रन से जीता था।

163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और केवल 23 रनों के स्कोर पर स्मृति मंधाना (04) और हरलीन देओल (01) पवेलियन लौट गईं। 55 के कुल स्कोर पर प्रतीका रावल (18) को हेली मैथ्यूज ने पवेलियन भेज भारत को तीसरा झटका दिया। 73 के कुल स्कोर पर कप्तान हरमनप्रीत कौर को एफी फ्लेचर ने बोल्ड कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दीं। हरमनप्रीत ने 22 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 32 रन बनाए।

यहां से जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा ने पांचवें विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी कर भारत स्कोर 129 तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर करिश्मा रामहरक ने जेमिमा को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया।

जेमिमा ने 29 रन बनाए। इसके बाद दीप्ति और रिचा घोष ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 28.2 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर जीत दिला दी। रिचा ने छक्का लगाकर मैच का समापन किया।

दीप्ति 48 गेंदों पर 3 चौके और 1 छक्के की बदौलत 39 और रिचा 11 गेंदों पर 1 चौके और 3 छक्के की बदौलत 23 रन बनाकर नाबाद रहीं। दीप्ति शर्मा (6 विकेट और 39 रन) को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और रेणुका सिंह ठाकुर को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

वेस्टइंडीज की टीम 162 पर सिमटी, दीप्ति ने लिये 6 विकेट

इससे पहले दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को 38.5 ओवर में केवल 162 रनों पर समेट दिया। दीप्ति ने 6 और रेणुका ने 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज की तरफ से चिनेल हेनरी ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 61 और शेमाइन कैम्पबेल ने 46 रन बनाए। इन दोनों के अलावा आलियाह एलीने ने 21 रन बनाए। वेस्टइंडीज के बाकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

आईडीसीए ने टी20 त्रिकोणीय और एकदिवसीय बधिर क्रिकेट श्रृंखला के लिए घोषित की टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने आगामी अंतरराष्ट्रीय टी20 और वनडे बधिर क्रिकेट श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम इंडिया की घोषणा की है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला 2 मार्च से 8 मार्च, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद, भारतीय बधिर क्रिकेट टीम 10 मार्च से 12 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी। भारतीय बधिर टीम का चयन अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति ने किया। टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह करेंगे, जबकि साई आकाश उप-कप्तान होंगे। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम मुख्य कोच देव दत्त और सहायक कोच सुशील गुप्ता के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में व्यापक प्रशिक्षण और अभ्यास सत्रों से गुजरेगी।

आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, भारतीय टीम बेहद आशाजनक लग रही है। मुझे उम्मीद है कि बधिर क्रिकेट टीम के हमारे खिलाड़ी दोनों टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला और एकदिवसीय श्रृंखला भारतीय बधिर क्रिकेट टीम के लिए लगातार अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को दिखाने का एक बड़ा मंच होगा। यह खिलाड़ियों के लिए टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के रूप में स्थापित करने का एक अवसर भी होगा।

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) बधिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (डीआईसीसी) का सदस्य है। डीआईसीसी दुनिया भर में श्रवण बाधित एथलीटों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम करता है। आईडीसीए की सीईओ रोमा बलवानी ने कहा, आईसीडीए हमेशा से हमारे श्रवण बाधित खिलाड़ियों की विशेष एथलेटिक प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसकी सराहना करने के लिए इस तरह की श्रृंखलाओं के आयोजन और मेजबानी के लिए समर्पित रहा है। मैं आगे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट देखने के लिए उत्सुक हूं, जहां सभी टीमों के खिलाड़ी अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम

वीरेंद्र सिंह - कप्तान (हिमाचल प्रदेश), साई आकाश - उप कप्तान (तमिलनाडु), उमर अशरफ-विकेट कीपर (जम्मू और कश्मीर), अभिषेक सिंह (पश्चिम बंगाल), आकाश सिंह (हरियाणा), यशवंत नायडू (आंध्र प्रदेश), संजू शर्मा (राजस्थान), संतोष कुमार महापात्र (ओडिशा), कुलदीप सिंह (हरियाणा), विवेक कुमार (हरियाणा), सुदर्शन ई (तमिलनाडु), कृष्णा गौड़ा विकेट कीपर (महाराष्ट्र), एम. श्रमित, (कर्नाटक), सिबुन नंदा (ओडिशा), अंकित जांगिड़ (राजस्थान), सारिक मजीद (जम्मू और कश्मीर)।

मेलबर्न टेस्ट दूसरा दिन : यशस्वी की शानदार पारी

लड़खड़ाई भारत की पारी, 164 रन पर खोए 5 विकेट

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 164 रन पर 5 विकेट खो दिये हैं। दिन का खेल समाप्त होने पर ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से अभी भी 310 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे।

भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकार बने। रोहित इस मैच में यशस्वी जयसवाल के साथ पारी की शुरूआत करने उतरे थे। रोहित के आउट होने के बाद केएल राहुल और जयसवाल ने भारत की पारी को 50 के पहुंचाया। हालांकि चायकाल से ठीक पहले 51 के कुल स्कोर पर राहुल पैट कमिंस का दूसरा शिकार बने। राहुल ने 24 रन बनाए।

कोहली-जयसवाल ने तीसरे विकेट के लिए की 102 रन की साझेदारी

राहुल के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे विराट कोहली ने संभलकर खेलना शुरू किया और यशस्वी जयसवाल के साथ मिलकर भारत का स्कोर 150 के पार पहुंचाया। हालांकि 153 के कुल स्कोर पर जयसवाल दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए। जयसवाल ने 118 गेंदों पर 11 चौके और 1 छक्के की बदौलत 82 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। आउट होने से पहले उन्होंने विराट के साथ 102 रनों की साझेदारी की। जयसवाल के आउट होने के बाद कोहली भी चलते बने। कोहली को बौलैंड ने अपना शिकार बनाया। कोहली ने 36 रन बनाए। नाइटवाच मैन केरूप में उतरे आकाशदीप भी कुछ खास नहीं कर सके और 159 के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले बोलैंड का दूसरा शिकार बने। इसके बाद जडेजा और पंत ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। जडेजा 4 और पंत 6 रन बनाकर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन, स्मिथ का शतक

इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 28, 29 को

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के दिवंगत महासचिव के योगदान को याद करते हुए हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 373 प्रारूप में किया जाएगा, जिसमें दर्जनों पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन 28 और 29 दिसंबर को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में किया जाएगा। दो दिवसीय इस आयोजन में 3-पॉइंट शूटिंग, फ्री थ्रो और डंक प्रतियोगिताएं भी होंगी, जो इसे सभी के लिए रोमांचक बना देंगी। हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का दूरदर्शन द्वारा लाइव प्रसारण किया जाएगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसारण किया जाएगा। विश्व संस्था फीबा भी आयोजकों के सहयोग से इस कार्यक्रम का प्रसारण करेगी।

दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन की विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष का समापन बास्केटबॉल के दिग्गज हरीश शर्मा को श्रद्धांजलि देने के साथ करना वास्तव में एक शानदार अवसर है, जो एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से भारत और विदेशों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपनी अभिनव और अनूठी रणनीतियों के साथ खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दर्शकों को प्रेरित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेंगे। बास्केटबॉल 33 की विश्व संस्था फीबा ने इस चैंपियनशिप का समर्थन किया है और आयोजकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करेगी।

वार्षिकी 2024 : टी20 विश्व कप से लेकर पेरिस में मनु का शानदार रहा भारत का सफर

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलों की दुनिया में वर्ष 2024 भारत के लिए एक शानदार सफर रहा। इस दौरान भारत ने जहां टी-20 विश्व कप का खिताब जीता, वहीं मनु भाकर ने ओलंपिक में दो ऐतिहासिक पदकों पर निशाना साधा।

भारत ने 17 साल बाद जीता टी20 विश्व कप खिताब, कोहली, रोहित, जडेजा का संन्यास

एक रोमांचक फाइनल में, जो आने वाले कई सालों तक यादों में रहेगा, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर इतिहास रचते हुए 17 साल बाद आईसीसी टी-20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। विराट कोहली, जिन्होंने बाद में टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा की, ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने 76 रन बनाए और अपनी टीम को 176-7 का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। हालाँकि, दक्षिण अफ्रीका के लिए हेनरिक क्लासेन ने 27 गेंदों पर 52 रनों की तूफानी पारी खेलकर जरूर संघर्ष किया, लेकिन उनकी पारी बेकार गई और दक्षिण अफ्रीका की टीम 8 विकेट पर 169 रन ही बना सकी। इसी के साथ भारत ने 2007 के बाद अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद से किसी बड़ी आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतजार को खत्म किया। टी-20 विश्व कप की खिताबी जीत के बाद भारत के तीन बड़े दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा ने टी-20 प्रारुप से संन्यास ले लिया।

भारत ने ओलंपिक में छह पदक जीते

भारतीय दल ने ओलंपिक में अपनी छाप छोड़ी, जिसमें एक रजत और पांच कांस्य पदक सहित छह पदक हासिल किए। स्टार परफॉर्मर नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, अमन सेहरावत और भारतीय हॉकी टीम ने भारत के पदक जीतने में योगदान दिया, जिससे देश को जश्न मनाने का मौका मिला। मनु भाकर ने भारतीय निशानेबाजी में कई प्रथम स्थान हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। वह खेलों के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। भाकर का पहला कांस्य पदक महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में आया, जिससे वह ओलंपिक पोडियम पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। वह 0.1 अंक से रजत पदक से चूक गईं। भाकर ने अपना दूसरा कांस्य पदक मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता, जहां उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराया। मौजूदा ओलंपिक और जेवलिन थ्रो विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीता, लेकिन वह स्वर्ण पदक से चूक गए। चोपड़ा का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा, उन्होंने 89.45 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। वह स्वतंत्रता के बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे पुरुष एथलीट बन गए। भारतीय हॉकी टीम, स्वप्निल और अमन ने भी भारत की पदक तालिका में योगदान दिया, जिन्होंने अपने-अपने स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते।

पेरिस में पैरालिंपियनों का जलवा

भारत ने पेरिस 2024 खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ पैरालंपिक प्रदर्शन किया, जहां भारतीय पैरा एथलीटों ने 29 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य) जीते, जो टोक्यो 2020 के 19 पदकों से आगे निकल गया। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत के कुल पैरालंपिक पदकों की संख्या को भी 50 के पार पहुंचा दिया। पैरा-साइक्लिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में नई प्रविष्टियों सहित 12 खेलों में रिकॉर्ड 84 पैरा-एथलीटों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। 28 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित खेलों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ देखने को मिलीं। अवनि लेखरा दो पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखा। भारत ने पहली बार एथलेटिक्स में एक-दो स्थान हासिल किया, जिसमें धरमबीर (स्वर्ण) और परनव सूरमा (रजत) ने पुरुषों के क्लब थ्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। धरमबीर ने 34.92 मीटर का नया एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद टी64 में स्वर्ण पदक जीता, जो एशियाई रिकॉर्ड भी है। सुमित अंतिल पैरालंपिक खिताब बचाने वाले पहले भारतीय पुरुष बने, उन्होंने रिकॉर्ड 70.59 मीटर के साथ भाला फेंक एफ64 जीता। मरियप्पन थंगावेलु ने ऊंची कूद टी42 में कांस्य पदक जीता, वे लगातार तीन पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। तीरंदाजी में, शीतल देवी, 17 साल की उम्र में, राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत की सबसे कम उम्र की पैरालंपिक पदक विजेता बनीं। उन्होंने रैंकिंग राउंड में विश्व रिकॉर्ड भी बनाया और कुमार के साथ मिलकर मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड हासिल किया। हरविंदर सिंह ने भारत के पहले पैरालंपिक तीरंदाजी चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया।

भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता

मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अयहिका मुखर्जी, सुतिर्था मुखर्जी और दीया चितले की भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक हासिल करके इतिहास रच दिया। कजाकिस्तान के अस्ताना में प्रतिस्पर्धा करते हुए, टीम ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद कांस्य पदक जीता, जहां उन्हें जापान से हार का सामना करना पड़ा। 1972 में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप की शुरुआत के बाद से महिला टीम स्पर्धा में यह भारत का पहला पदक था।

शतरंज में भारत का रहा जलवा

महज 18 साल की उम्र में डी गुकेश ने शतरंज के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। सिंगापुर में चैंपियनशिप के 14वें राउंड में डिंग लिरेन पर शानदार जीत के बाद वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। इस असाधारण उपलब्धि ने प्रतिष्ठित गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिन्होंने 1985 में 22 साल की उम्र में अनातोली कार्पोव को हराकर खिताब जीता था। इस साल की शुरुआत में गुकेश ने फीडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर सुर्खियां बटोरी थीं। वे इसके इतिहास में सबसे कम उम्र के विजेता बन गए थे। आठ खिलाड़ियों के इस प्रतिष्ठित इवेंट में नौ अंकों के साथ उन्होंने न केवल विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

अहिल्याबाई होलकर के योगदान को युगो तक याद किया जाएगा-विभाग प्रचारक शिवराज

चित्रकूट धाम के कथा वाचक ज्ञान देव पाठक महाराज कर रहे हैं भागवत कथा

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक

अजमेर/नसीराबादः चित्रकूट धाम के पाठक महाराज भागवत कथा कर रहे हैं बांके बिहारी गार्डन अर्जुन लाल सेठी कॉलोनी पर्वतपुरा अजमेर में आज छठवे दिवस की कथा में पूज्य महाराज श्री जी महारास का पावन प्रंसगसुनाया ,,,महारास की कथा को कभी लौकिक दृष्टि से नही सुननी चाहिए भगवान ने काम विजय लीला की ,,,आगे भगवान की मथुरा गमन की कथा सुनाई ,,गोपी ऊधो पावन कथा सुनाई ,,भगवान ने ऊधो करो वृंदावन भेजकर गोपियो के द्वारा प्रेम का भक्ति का ज्ञान प्राप्त कराया ,,क्योंकि ऊधो के पास ज्ञान बहुत था पर प्रेम और भक्ति का अभाव था ,,,कथा के विश्राम में बड़े धूमधाम से कृष्ण रुक्मिणी का विवाह उत्सव मनाया गया।

श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य अतिथि परम आदरणीय शिवराज जी भाईसाहब विभाग प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अजमेर द्वारा सामाजिक समरसता पर बल देते हुए पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी जन्म-जयति वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में सबको सपरिवार नियन्त्रण देते हुए उन्होंने कहा उपस्थित महानुभवों को संबोधित करते हुए कहा अहिल्याबाई भारतीय इतिहास में एक सफल महिला शाशिका एवं समाज सुधारक थी, जिसका योगदान कई युगों तक स्मरण रहेगा। 300 में जन्म जयंती वर्ष के विशेष उपलक्ष में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होना प्रत्येक भारतीय में नई प्रेरणा का संचार करने जैसा है लोक माता का जन्म महाराष्ट्र प्रांत के चौड़ी नामक ग्राम में पिता मानकों जी शिंदे के घर 31 मई 1725 में हुआ। परिश्रमी और मिलनसार पिता तथा कुशल गृहिणी एवं ईश्वर भक्त माता के संस्कार बाल्यकाल से ही देवी अहिल्या को प्राप्त हुए, इसी की फल श्रुति थी कि वे बचपन से ही परम शिवभक्त रही। समय आने पर प्रसिद्ध सूबेदार मल्हार राव होलकर के पुत्र खाडेराव होलकर के साथ देवी अहिल्या का विवाह संपन्न हुआ, उन्होंने विवाह के पश्चात 1745 में पुत्र मालेराव तथा 1748 में पुत्री मुक्ताबाई को जन्म दिया, 1754 में अपने पति खाडेराव की मृत्यु के पश्चात अहिल्याबाई ने सती होने का निश्चय किया किंतु अपने ससुर मल्हारराव जी के द्वारा प्रजा के भरण पोषण के दायित्व का चिंतन करते हुए उन्हें इस निश्चय से परावर्त करवाया। 1766 में ससुर एवं 1767 में पुत्र की मृत्यु की अपरिमित वेदना को सीने में दबाकर प्रजा के हित में राज्य की बागडोर स्वयं अपने हाथ में

ली, सन 1767 से लेकर 1795 तक निरंतर 28 वर्षों तक अपनी बौद्धिक कुशलता निडरता के साथ प्रजाप्रेम, गरीबों की भलाई, अछूतोंद्वार तथा महिला कल्याण करते हुए एक कुशल, विनम्र एवं उदार शासिका के रूप में राज्य का सफल संचालन किया, अहिल्याबाई ने अपने राजधर्म एवं सुशासन का पालन करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर गरीबों, अस्पृश्यों एवं महिलाओं का ध्यान रखा। उन्होंने अस्पृश्यों के उद्वार के अनेक कार्य किये बाल्यकाल में ही एक मंदिर में किसी अछूत ने प्रवेश को लेकर उन्होंने कहा भगवान सबके हैं तथा सब भगवान के हैं अगर यह बुरे होते तो भगवान इन्हें बनता ही क्यों और क्या भगवान अपने ही बनाए हुए किसी व्यक्ति को अपवित्र और पवित्र मानकर भेदभाव कर सकता है ? इस प्रकार के विचारों उनके समरसता के आग्रह के संबंध में थे , जिसने उन्होंने अछुतों को भी उनके अधिकार दिलवाने में सहायता की। शासन संभालने के पश्चात विधवा महिलाओं को संपत्ति का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, विधवा महिलाओं के पुनर्विवाह एवं महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिलवाने के युग परिवर्ती और महत्वपूर्ण नवाचार भी अपने राज्य में लागू किए, अपनी प्रजा का अपनी संतान के समान पालन किया तथा समाज के निर्धन एवं पिछड़े वर्ग की हर संभव सहायता के लिए हमेशा तत्पर रही। महिलाओं की एक सैन्य टुकड़ी बनाकर नारी सशक्तिकरण का एक जीत जागता उदाहरण प्रस्तुत किया इस महिला सैन्य टुकड़ी के प्रभाव से उसके एक शत्रु ने आक्रमण से पूर्व ही अपनी हार स्वीकार कर ली। अपने 28 साल के शासनकाल के दौरान इंदौर को एक समृद्ध एवं विकसित शहर बनाया, सड़कों की दशा सुधारी, इंदौर को व्यावसायिक केंद्र बनाकर इंदौर और नगर वासियों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाया , साथ ही कान्हा नदी के पास पुराने शहर के सामने एक नए शहर की स्थापना की तथा राज्य का सैनिक केंद्र भी बनाया। अपने धार्मिक संस्कारों और भक्ति भाव के कारण औरंगजेब द्वारा तोड़े गए मंदिरों का उन्होंने श्रीनगर, हरिद्वार ,केदारनाथ ,बद्रीनाथ, प्रयाग, वाराणसी , नैमिषारण्य, जगन्नाथ पुरी , रामेश्वरम ,महाबलेश्वर, पुणे,उडुपी काठमांडू इत्यादि स्थानों पर मंदिर बनवा तीर्थ स्थान पर धर्मशाला यात्री निवास एवं गरीबों के लिए भोजनालय अन्यक्षेत्र का भी निर्माण करवाया काशी में मणिकर्णिका के अलावा एक नया घाट बनवाया आलमपुर में हरिहरेश्वर मंदिर का निर्माण तथा महेश्वर के पवित्र नर्मदा नदी के तट पर विभिन्न धार्मिक आयोजन धर्म को प्रतिष्ठापित एवं संरक्षित करने के महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व का निर्माण किया, औरंगजेब द्वारा 1669 में ध्वस्त किए गए काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण एवं जीणोद्धार राजमाता होलकर के द्वारा 1770 में किया गया। इसी क्रम में सबसे महत्वपूर्ण योगदान 1783 में सोमनाथ मंदिर का जिर्णोद्धार किया तथा मंदिर के गर्भगृह में विशाल शिवलिंग की स्थापना की, आज भी उस स्थान पर शिवलिंग का अभिषेक एवं पूजा नित्य होती हैं जो लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। आज भी उनके द्वारा बनाए गए मंदिर लोगों के श्रद्धा और विश्वास का केन्द्र है तीर्थों पर घाट, बावड़िया , कुण्ड , धर्मशालाएं, अन्य क्षेत्र प्याऊ से लोग 300 वर्ष के पश्चात आज भी लाभान्वित हो रहे हैं। न्याय के प्रति दृढ़प्रतिज्ञ होने के कारण उन्होंने अपने बेटे तक को मृत्युदंड देकर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया हालांकि जिस गाय के बछड़े के कारण पुत्र को मृत्युदंड दिया उसे गाय के द्वारा दंड के समय उनके सामने आकर उसे मृत्युदंड से मुक्त करवाया गया, अतः उस स्थान को आज भी आडा बाजार कहा जाता है अपनी कूटनीति के कारण राज्य को राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने के साथ-साथ सैन्य शक्ति को भी मजबूत किया तथा विभिन्न जलाशय, कुओं ,नहरों एवं सड़कों का निर्माण करवाकर राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार किया, औद्योगिकीकरण के क्षेत्र में जो पहल लोकमाता ने की, वह अद्वितीय ही थी , उन्होंने महेश्वर को अपनी राजधानी बनाकर वहां पर मिल्क उद्योग स्थापित किया वहां की आर्थिक समृद्धि इतनी थी कि वहां के लोगों जो कर देते थे उस कर का उपयोग लोकमाता ने अपने महल, विलास, शानो शौकत पर खर्च न करके अपने राज्य की प्रगति में किया।

लोकमाता की औद्योगीकरण की प्रवृत्ति, भक्ति का प्रचार एवं दर्शनिकता को देखकर पाश्चात्य विद्वान जॉन केयास के द्वारा इन्हें फिलॉस्फर क्लीन की उपाधि भी प्रदान की गई। इतना सब कुछ होने पर भी उन्होंने एक सादगी पूर्ण जीवन व्यतीत किया जनमानस को सभी प्रकार के अभावो से मुक्त करने के कारण उन्हें पुण्यश्लोक कहा गया ऐसी पुण्य श्लोक राजमाता देवी अहिल्याबाई के सुशासन, कूटनीति, भक्ति, समर्पण, त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए हम सब उनके 300 जन्म वर्ष पर श्रद्धापूर्वक स्मरणाजलि अर्पित करते हैं।

अहिल्याबाई केंद्रित अपने प्रेरक उद्बोधन के पश्चात आदरणीय शिवराज जी भाई साहब ने भारत माता की उद्घोष के साथ 3 जनवरी दोपहर 12:00 बजे, राम धाम गुरुद्वारे के पास, पुष्कर होने वाली विशाल धर्म सभा में आदरणीय डॉ . कृष्णगोपाल जी , सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धर्म उद्बोधन को सुनने सपरिवार पधारने का आग्रह किया। कथा में चित्रकूट धाम के पाठक जी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ, मसूदा विधानसभा से माननीय वीरेंद्र सिंह कानावत का साफा बनाकर स्वागत किया गया। पधारे हुए अतिथियों का बांके बिहारी परिवार की और से साधुवाद यापन किया गया। कथा के कल अंतिम दिवस 28 दिसंबर को भेरू धाम राजगढ़ के चंपालाल जी महाराज का पधारना होगा।

संक्षिप्त समाचार

700/रुपये की रिश्वत लेते हुए बाबू गिरफ्तार, एसीबी की कार्रवाई

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास धौलपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला रोजगार कार्यालय में तैनात बाबू दीपक गोयल को 700 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी बाबू ने पीड़ित देवेंद्र सिंह से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना 2021 के तहत इंटर्नशिप में स्थान परिवर्तन करने के बदले 1500 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित ने एसीबी को इसकी सूचना दी, जिसके बाद टीम ने मामले की जांच की और 700 रुपये की रिश्वत लेते हुए दीपक गोयल को गिरफ्तार किया। रिश्वत की सूचना देने वाले पीड़ित देवेंद्र सिंह, पुत्र विजेंद्र सिंह, जाति प्रजापति, निवासी जोगियापुरा, तहसील बाड़ी, जिला धौलपुर हैं। वहीं, आरोपी दीपक गोयल, पुत्र जगदीश गोयल, जाति बैष्य, उम्र 27 वर्ष, निवासी सिकराय बस स्टैंड, दौसा, पुलिस थाना मानपुर, दौसा, जिला धौलपुर का निवासी है और वह जिला रोजगार कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत था।इस कार्रवाई में उपअधिक्षक एसीबी सुरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल श्रीकांत, इंद्रजीत, कांस्टेबल योगेश सिंह, ब्रह्मदेव, शंकर लाल और चालक राजकुमार सहित अन्य टीम सदस्य उपस्थित थे।

29 वीं अखिल भारतीय फेडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता होगी आयोजित

चमकता राजस्थान/जयपुर। आल इंडिया कैरम फेडरेशन के तत्वावधान में 29 वीं अखिल भारतीय फेडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता, 2024-25 आंध्र प्रदेश कैरम एसोसिएशन एवं नेल्लौर जिला कैरम एसोसिएशन के द्वारा दिनांक 5 जनवरी, 2025 से 8 जनवरी, 2025 तक नेल्लौर, आंध्रप्रदेश में आयोजित की जा रही है। राजस्थान कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज खत्री ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान राज्य की पुरुष व महिला कैरम टीमें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेगी। राजस्थान की पुरुष एवं महिला कैरम टीमों का चयन कर लिया गया है।राजस्थान की दोनों टीमें 2 जनवरी, 2025 को नेल्लौर के लिए जयपुर से प्रस्थान करेगी।

अध्यक्ष खत्री ने यह भी बताया कि नेल्लौर में ही इस प्रतियोगिता के दौरान 7 जनवरी, 2025 को आल इंडिया कैरम फेडरेशन की कार्यकारिणी की एक बैठक भी आयोजित की जा रही है जिसमें 2025-26 वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर की विविध कैरम प्रतियोगिताओं का कैलेंडर सुनिश्चित किया जाएगा।

बाड़ी उपखंड के नौरहा ग्राम पंचायत में पानी भरा, स्कूल जाने वाले बच्चे और ग्रामीणों को हो रही परेशानियां

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले के बाड़ी उपखंड स्थित ग्राम पंचायत नौरहा के मुख्य मार्ग पर भारी जलभराव हो गया है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चे और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठंड के मौसम में भी लोग इस जलभराव के बीच से निकलने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को इस समस्या की सूचना दी है, लेकिन अभी तक इसका कोई समाधान नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को जलभराव के कारण आने-जाने में कठिनाई हो रही है, और कई बच्चों का स्कूल जाना भी रुक गया है।

प्रशासन से तात्कालिक समाधान की मांग

जलभराव के कारण कई मकानों की दीवारें कमजोर हो गई हैं, और कुछ मकानों की दीवारें गिर चुकी हैं। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है, कि इस गंभीर समस्या पर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं गया है, और वे मांग कर रहे हैं कि प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे ताकि जानमाल के नुकसान से बचा जा सके, ग्रामवासियों का कहना है कि यदि इस जलभराव का जल्द समाधान नहीं हुआ तो न केवल रोजमर्रा की ज़िंदगी प्रभावित होगी, बल्कि किसी बड़ी दुर्घटना का सामना भी करना पड़ सकता है। इस मुद्दे को लेकर अतर सिंह, मोहित शर्मा, नितेश शर्मा, प्रवीण कुमार, राहुल शर्मा, जितेंद्र परमार, गजेंद्र परमार, अमर सिंह, रामनिवास शर्मा, राम अवतार, राजेश खवास, रामविलास खवास और अन्य ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने प्रशासन से तात्कालिक समाधान की अपील की।

2 घण्टें में अपहर्त को किया सकुशल दस्तयाब

चमकता राजस्थान/जयपुर। अपहरण व फिरोती की घटना की सूचना पर जिला पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 2 घण्टें में अपहर्त को सकुशल दस्तयाब करके दो अपहरणकर्ता को किया दस्तयाब।

जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण राममूर्ति जोशी ने बताया कि पुलिस नियंत्रण कक्ष (कन्ट्रोल रूम) जोधपुर ग्रामीण पर आज दिनांक 27 दिसम्बर 2024 को वक्त 11.30 पर पीड़ित उकाराम पुत्र राजूराम जाट निवासी ठिगलानगर रावनियाना थाना बोरून्दा जोधपुर ग्रामीण ने दूरभाष कर बताया कि उसके पास एक अज्ञात मोबाइल नम्बर से फोन आया है और धमकी दी है कि तेरा भाई किशोरराम मेरे कब्जे में है और तुम 3 लाख रूपये लाकर हमें दे दो और अपने भाई को लेकर जाओ नही तो इसके साथ बुरा होगा।

जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा त्वरित 4 टीमों का गठन व लगातार सुपरविजन करते हुए। 2 घण्टें में अपहर्त किशोरराम जाट सकुशल दस्तयाब करने के साथ ही अपहरणकर्ता हेमन्त टॉक व भगवतराम को किया दस्तयाब किया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम द्वारा 02 अपहरणकर्ता को दस्तयाब कर अपहर्त को एक कमरे से किया बरामद।

पाईल्स व फिशर रोगियों का रजिस्टेशन शुरू

पीली में आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ

चमकता राजस्थान

नदबई,(राजवीर सिंह) आयुर्वेद विभाग एवं श्री सीताराम मन्दिर ट्रस्ट की ओर से नदबई उपखण्ड क्षेत्र के गांव पीली में शुक्रवार को दस दिवसीय आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ हुआ और उससे पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर मौन धारण कर श्रंद्वाजली अर्पित की। उसके बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष मनोज भारद्वाज के मुख्य आतिथ्य एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष भागचन्द पालीवाल की अध्यक्षता में शिविर के उद्घाटन की औपचारिकता निभाई गई। जबकि आयुर्वेद विभाग के उप डॉ. इन्दू शर्मा, सेवानिवृत संयुक्त निदेशक डॉ.सतीश कुमार पालीवाल,श्री सीताराम मन्दिर ट्रस्ट के सचिव दुष्यन्त कुमार व कोषाध्यक्ष सतीश कुमार विषिष्ठ अतिथि रहे। शिविर प्रभारी डॉ. कृष्णकुमार कैरो एवं शल्य चिकित्सक डॉ.नरेश गोपाल ने बताया कि राजस्थान सरकार आयुर्वेद विभाग के द्वारा भरतपुर जिले के उपखण्ड नदबई की ग्राम पंचायत न्यौठा क्षेत्र के गांव पीली स्थित श्री सीताराम मन्दिर पर 27 दिसम्बर को आयुर्वेद शल्य चिकित्सा कैम्प शुरू हुआ,जो कैम्प 5 जनवरी 2025 तक आयोजित होगा। कैम्प में भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा पद्वति की विधी क्षार के द्वारा पाईल्स, भगन्दर व फिशर के निशुल्क ऑपरेशन होंगे। कैम्प के पहले दिन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण कैम्प उद्घाटन की औपचारिकता निभाई और उसके बाद रोगियों के ऑपरेषन वास्ते रजिस्टेशन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी। पहले दिन 71 रोगियों का रजिस्टेशन हुआ। आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ. इन्दू षर्मा ने बताया कि आयुर्वेद विभाग राजस्थान सराकर एवं श्री सीताराम मन्दिर ट्रस्ट के द्वारा गांव पीली में आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर प्रारम्भ हो गया, जो 27 दिसम्बर से 5 जनवरी तक आयोजित होगा। 27 दिसम्बर से 28 दिसम्बर को सुबह 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक ऑपरेशन हेतु रजिस्टेशन तथा एक जनवरी तक सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक प्रतिदिन रोगी परामर्ष होंगे। उन्होने बताया कि भरतपुर जिले के गांव पीली में पहली बार भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा पद्वति की विधी क्षार के द्वारा पाईल्स, भगन्दर व फिशर के निशुल्क ऑपरेषन होंगे। उन्होने बताया कि ऑपरेषन कराने वाले रोगी को घर से आधार कार्डएपहचान पत्रए,कम्बल, बैडशीट,थाल,गिलास,लोटा अवशय लाना होगा। कमेटी में आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ.इन्दू षर्मा,अतिरिक्त निदेशक डॉ.दलीप सिंह,शिविर प्रभारी डॉ. कृष्णकुमार कैरो,शल्य चिकित्सक डॉ.नरेश गोपाल एवं सेवानिवृत संयुक्त निदेशक डॉ. सतीश कुमार पालीवाल,श्री सीताराम मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भागचन्द पालीवाल, सचिव दुष्यन्त कुमार,कोषाध्यक्ष सतीश कुमार आदि को शामिल किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929